मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

# उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 13
शनिवार, 19 जुलाई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

# राजद राज में बिहार में विकास पर लगा ब्रेकः पीएम मोदी

**मोतिहारी, 18 जुलाई।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के मोतिहारी में 7,200 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इसके अलावा मोदी ने राजेंद्र नगर टर्मिनल (पटना) से नई दिल्ली, बापूधाम मोतिहारी से दिल्ली (आनंद विहार टर्मिनल), दरभंगा से लखनऊ (गोमती नगर) और मालदा टाउन से लखनऊ (गोमती नगर) के बीच चार नई अमृत भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि आज यहां से 7 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास हुआ है। मैं आप सभी को और सभी बिहारवासियों को इन विकास परियोजनाओं की बहुत-बहुत बधाई देता हूं। नरेंद्र मोदी ने कहा कि 21वीं सदी में दुनिया बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है। एक समय जो ताकत केवल पश्चिमी देशों के वास होती थी, उसमें अब पूरब के देशों का दबदबा और भागीदारी बढ़ रही है। पूरब के देश अब विकास की नई रफ्तार पकड़ रहे हैं। जैसे दुनिया में पूर्वी देश विकास की दौड़ में आगे जा रहे हैं, वैसे ही भारत में ये दौर हमारे पूर्वी राज्यों का है। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि आने वाले समय में जैसे पश्चिमी भारत में मुंबई है, वैसे ही पूरब में मोतिहारी का नाम हो। जैसे अवसर गुरुग्राम में हैं, वैसे ही अवसर गया जी में भी बनें।

मोदी ने कहा कि पुणे की तरह पटना में भी औधोगिक विकास हो। सूरत की तरह ही संथाल परगना का भी विकास हो। जयपुर

की तरह जलपाईगुड़ी और जाजपुर में भी टूरिज्म के नए रिकॉर्ड बने। बंगलुरू की तरह वीरभूम के लोग भी आगे बढ़ें। पूर्वी भारत को आगे बढ़ाने के लिए हमें बिहार को विकसित बिहार बनाना है। उन्होंने कहा कि आज बिहार में इतनी तेजी से काम इसलिए हो रहा है, क्योंकि केंद्र और राज्य में बिहार के लिए काम करने वाली सरकार है। जब केंद्र में कांग्रेस और फखऊकी सरकार थी, तो वढअ के 10 साल में बिहार को सिर्फ 2 लाख करोड़ रुपये के आसपास मिले। यानी नीतीश जी की सरकार से ये लोग बदला ले रहे थे।

मोदी ने कहा कि 2014 में केंद्र में आपने मुझे सेवा करने का अवसर दिया। केंद्र में आने के बाद मैंने बिहार से बदला लेने वाली उस पुरानी राजनीति को भी समाप्त कर दिया। पिछले 10 साल में, NDA के 10 वर्षों में बिहार के विकास के लिए जो राशि दी गई है, वो पहले से कई गुना ज्यादा है।

उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को जानना जरूरी है कि बिहार दो दशक पहले किस तरह हताशा में डूबा हुआ था। राजद और कांग्रेस के राज में विकास पर ब्रेक था, गरीब का पैसा गरीब तक पहुंचना असंभव था। जो शासन में थे, उनमें बस यही सोच थी कि कैसे गरीब के हक का पैसा लूट लें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार असंभव को भी संभव बनाने वाले वीरों की धरती है। आप लोगों ने इस धरती को राजद और कांग्रेस की बेड़ियों से मुक्त किया, असंभव को संभव बनाया। उसी का परिणाम है कि आज बिहार में गरीब कल्याण को योजनाएं सीधे गरीबों तक पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में पीएम आवास योजना के तहत देश में गरीबों के लिए 4 करोड़ से भी ज्यादा घर बनाए गए हैं। इनमें से करीब 60 लाख घर अकेले बिहार में बने हैं। हमारे अकेले मोतिहारी जिले में ही 3 लाख के करीब गरीब परिवारों को पक्के घर मिलें हैं और गिनती लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि फखऊ और कांग्रेस के राज में गरीब को ऐसे पक्के घर मिलना असंभव था। जिन लोगों के राज में लोग अपने घरों में रंग-रोगन तक नहीं करवाते थे, डरते थे कि अगर रंग-रोगन हो गया तो पता नहीं कि मकान मालिक को ही उठवा लिया जाए।

## महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में एलएमईएल स्टील परियोजना की शुरूआत

**मुंबई, 18 जुलाई।** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस अगले सप्ताह गढ़चिरौली जिले के कोन्सारी में लॉयड्स मेटल्स एंड एनर्जी लिमिटेड (एलएमईएल) की 4.5 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) क्षमता वाली स्टील परियोजना की नींव रखेंगे। यह विदर्भ क्षेत्र की पहली एकीकृत स्टील परियोजना होगी।

मुख्यमंत्री फडणवीस 22 जुलाई 2025 को कोन्सारी में स्टील प्लांट की आधारशिला रखेंगे।

इसके साथ ही, वे हेडरी में स्थित 5 मिलियन टन प्रति वर्ष क्षमता वाले आयरन ओर ग्राइंडिंग प्लांट का उद्घाटन भी करेंगे। इस संयंत्र को एलएमईएल ने रिकॉर्ड एक वर्ष में तैयार किया है।

एलएमईएल के प्रबंध निदेशक बी. प्रभाकरण ने कहा, गढ़चिरौली जिले के कोन्सारी में विदर्भ के पहले एकीकृत स्टील प्लांट की आधारशिला रखी जा रही है। यह एक ऐतिहासिक सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इसके अतिरिक्त, 10 मिलियन टन प्रति वर्ष क्षमता वाली स्लरी पाइपलाइन परियोजना का भी उद्घाटन किया जाएगा। यह महाराष्ट्र में अपनी तरह की पहली पाइपलाइन होगी। 85 किलोमीटर लंबी यह पाइपलाइन हेडरी से कोन्सारी स्थित पेलेट प्लांट तक कच्चे माल की आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। इससे लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार होगा और कार्बन उत्सर्जन में 55 प्रतिशत की कमी आएगी।

## ममता बनर्जी को केवल बांग्ला भाषी मुसलमानों की चिंता: हिमंत विश्व शर्मा

**असम, 18 जुलाई।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की उनकी समकक्ष ममता बनर्जी को केवल बांग्ला भाषी मुसलमानों की चिंता है। उन्होंने आगाह किया कि अगर ममता मुस्लिम-बंगालियों के लिए असम आती हैं, तो असमिया और हिंदू-बंगाली उन्हें नहीं बख्शेंगे।

शर्मा ने भाजपा पर राजनीतिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भाषाई पहचान को हथियार बनाने के तृणमल कांग्रेस अध्यक्ष के हालिया आरोप पर कहा, सवाल यह है कि क्या ममता बनर्जी बंगालियों को पसंद करती हैं या केवल मुस्लिम-बंगालियों को। मेरा जवाब है केवल मुस्लिम-बंगालियों को। उन्होंने कहा,

अगर वह मुस्लिम-बंगालियों के लिए असम आती हैं, तो असमिया लोग और हिंदू-बंगाली उन्हें नहीं बख्शेंगे। शर्मा ने सवाल किया कि अगर बनर्जी बांग्ला भाषी लोगों की सुरक्षा में रुचि रखती हैं, तो उन्होंने अपने राज्य में नागरिकता (संशोधन) अधिनियम क्यों नहीं लागू किया? नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 के तहत पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर, 2014 से पहले भारत आए गैर-मुस्लिम प्रवासियों - हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई - को भारतीय नागरिकता प्रदान की जाती है। बनर्जी केंद्र और भाजपा शासित राज्यों पर बांग्ला भाषी प्रवासियों को अवैध बांग्लादेशी या रोहिंग्या बताकर व्यवस्थित रूप से निशाना बनाने का आरोप लगाती रही हैं।

## भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य को 5 दिनों की ईडी रिमांड

### शराब घोटाला मामले में हुई है गिरफ्तारी

**छत्तीसगढ़, 18 जुलाई।** छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को रायपुर की अदालत ने शराब घोटाला मामले में पांच दिनों के लिए प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में भेज दिया है। चैतन्य को शुक्रवार को उनके जन्मदिन पर छत्तीसगढ़ के भिलाई स्थित उनके आवास से ईडी अधिकारियों ने तड़के छापेमारी के बाद गिरफ्तार कर लिया। उन्हें छत्तीसगढ़ की शराब नीति से जुड़ी ईडी की मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया।

वहीं, कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने कहा कि कांग्रेस अडानी की खनन और वनों की कटाई की गतिविधियों में बाधाएँ डाल रही है और जायज (आपत्ति) उठा रही है, इसीलिए हमारे खिलाफ ऐसी

कार्रवाई की जा रही है। दुर्ग जिले के भिलाई शहर में चैतन्य बघेल के घर पर ताजा छापेमारी के बादउनको धन शोधन रोधी अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हिरासत में लिया गया। पिता-पुत्र दोनों एक ही जगह रहते हैं। घर के बाहर भारी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद थे। वहीं कुछ पार्टी समर्थक भी वहां जमा थे। भूपेश बघेल ने कहा कि आज चैतन्य का जन्मदिन है।

सूत्रों ने बताया कि चैतन्य बघेल को धन शोधन रोधी अधिनियम की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया गया क्योंकि मामले में नये सबूत मिलने के बाद की गई छापेमारी के दौरान वह कथित तौर पर सहयोग नहीं कर रहे थे। सूत्रों ने बताया कि चैतन्य बघेल से कथित रूप से जुड़ी कंपनियों को कथित शराब घोटाले से अर्जित लगभग 17 करोड़ रुपये की अपराध आय प्राप्त हुई। सूत्रों के अनुसार, लगभग 1,070 करोड़ रुपये की धनराशि के साथ ही चैतन्य बघेल की भूमिका भी एजेंसी की जांच के दायरे में है। ईडी ने दावा किया है कि घोटाले के परिणामस्वरूप राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ और शराब सिंडिकेट के लाभार्थियों की जेबों में 2,100 करोड़ रुपये से अधिक की रकम गई। बघेल (63) ने एक्स पर एक संदेश पोस्ट किया जिसमें कहा गया कि विधानसभा सत्र के आखिरी दिन ईडी उनके घर आयी है, जब रायगढ़ जिले की तमनार तहसील में अदाणी समूह की कोयला खदान परियोजना के लिए पेड़ों की कटाई का मुद्दा उठाया जाना था।

## ईडी ने छांगुर बाबा पर कसा शिंकजा, उत्तर प्रदेश और मुंबई में 40 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त

**नई दिल्ली, 18 जुलाई।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने स्वयंभू आध्यात्मिक गुरु छांगुर बाबा से जुड़ी कई संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज जब्त किए हैं। यह कार्रवाई बाबा और उनके करीबी सहयोगियों से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग की चल रही जाँच का हिस्सा है।

जब्त की गई संपत्तियों में क्या क्या शामिल हैं- चांगुर बाबा का निजी आवास उनके बेटे का घर उनके करीबी विश्वासपात्रों, नवीन और नीतू की संपत्तियाँ ईडी सूत्रों के अनुसार, इन संपत्तियों के अपराध से अर्जित होने का संदेह है और इन्हें जल्द ही धन शोधन निवारण अधिनियम

(पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत आधिकारिक रूप से जब्त किया जा सकता है। अधिकारियों का अनुमान है कि जब्त की गई संपत्तियों की कुल कीमत लगभग ?40 करोड़ है। ईडी ने आज की तलाशी के दौरान कथित तौर पर बड़ी संख्या में दस्तावेज बरामद किए हैं, जिससे अघोषित संपत्तियों के एक व्यापक नेटवर्क का पता चलता है।छांगुर बाबा से जुड़े धर्मांतरण रैकेट की चल रही जाँच में एक बड़ी सफलता मिली है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा 14 ठिकानों पर की गई तलाशी के दौरान, नवीन बाबा के भरोसेमंद सहयोगी शहजाद शेख के मोबाइल फोन से एक अहम सुराग मिला। जाँचकताओं को शहजाद के फोन से क्रोएशिया की मुद्रा, कुना, की एक तस्वीर मिली, जिससे धर्मांतरण रैकेट में संभावित अंतरराष्ट्रीय संबंधों का संकेत मिलता है।

## लालू प्रसाद के खिलाफ निचली अदालत में कार्यवाही पर रोक लगाने से न्यायालय का इनकार

**नई दिल्ली, 18 जुलाई।** उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को सीबीआई के जमीन के बदले नौकरी मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के खिलाफ निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय से केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी रद्द करने की उनकी याचिका पर सुनवाई में तेजी लाने को कहा। शीर्ष अदालत ने मामले में यादव को निचली अदालत में पेशी से छूट भी प्रदान की। गत 29 मई को, दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि कार्यवाही पर रोक लगाने का कोई ठोस कारण नहीं है। उच्च न्यायालय ने एजेंसी की प्राथमिकी रद्द करने की यादव की याचिका पर सीबीआई को नोटिस जारी किया और सुनवाई 12 अगस्त के लिए स्थगित कर दी। यह मामला 2004 से 2009 के बीच लालू प्रसाद के रेल मंत्री रहने के दौरान मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित भारतीय रेलवे के पश्चिम मध्य क्षेत्र में ग्रुप डी की नियुक्तियों से संबंधित है।

## ओम बिरला ने कोटा में बारिश से प्रभावित इलाकों का जायजा लिया

**कोटा।** लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को राजस्थान के कोटा जिले के वर्षा प्रभावित कुदायला गांव का दौरा किया। वह ट्रैक्टर से जलभराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण करने पहुंचे और वहां लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

वह कोटा लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं। उन्होंने अधिकारियों को राहत सामग्री वितरण की प्रक्रिया तेज करने और प्रभावित लोगों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करेः 9199355950

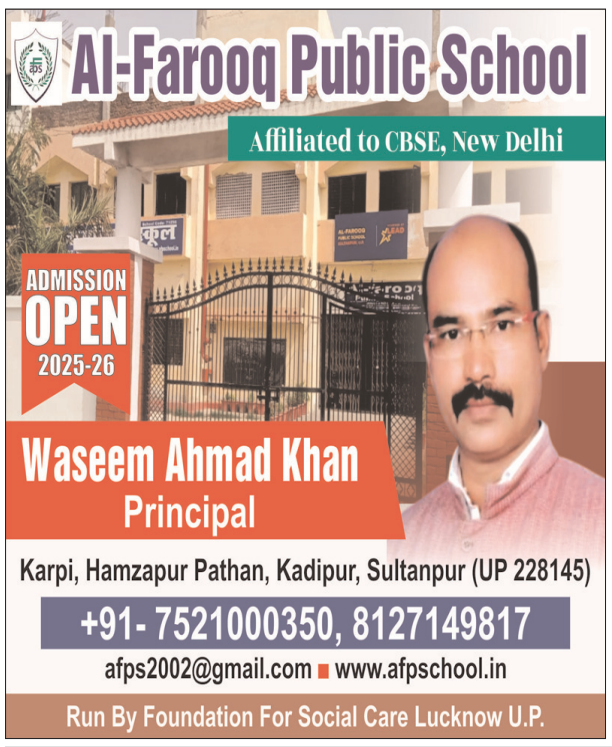

# क्या बिहार में सुशासन अब जंगलराज में बदल रहा है?



-ललित गर्ग

बिहार में एक बार फिर कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। बेखौफ अपराधियों का आतंक, दिन-दहाड़े हत्याएं, लूट, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध यह संकेत दे रहे हैं कि ह्यसुशासन बाबूह्न के नाम से मशहूर नीतीश कुमार का प्रशासन कहीं अपने वादों और आदर्शों से भटकता नजर आ रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव की दस्तक के बीच आमजन में यह सवाल तेजी से उभर रहा है कि क्या बिहार में सुशासन अब फिर से जंगलराज में तब्दील हो रहा है? क्योंकि व्यापारियों, राजनेताओं, वकीलों, शिक्षकों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर की गई लगातार हत्याओं ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। पुलिस इन घटना के लिए अवैध हथियारों और गोला-बारूद की व्यापक उपलब्धता को जिम्मेदार ठहरा रही है, पुलिस के उच्च अधिकारियों के कुछ बेतूके बयान हास्यास्पद एवं शर्मनाक होने के साथ चिन्ताजनक है। उनके हिसाब से जून में ज्यादा वारदात होती हैं, क्योंकि मॉनसून आने के पहले तक किसान खाली बैठे होते हैं। राज्य की राजधानी पटना के एक



प्राइवेट हॉस्पिटल में दिनदहाड़े 5 शूटर्स ने जिस तरह एक गैंगस्टर की हत्या की, उससे यही लगता है कि कानून-व्यवस्था का डर खत्म हो चुका है। पिछले 10 दिनों में एक के बाद एक कई आपराधिक घटनाओं में व्यापारी गोपाल खेमका, भाजपा नेता सुरेंद्र कुमार, एक 60 वर्षीय महिला, एक दुकानदार, एक वकील और एक शिक्षक सहित कई हत्याओं ने चुनावी राज्य को हिलाकर रख दिया है। बिहार में कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर राजनीतिक घमासान चरम पर है। विपक्ष, खासकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस, जहां नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर लगातार हमलावर है, वही एनडीए इन मुद्दों पर जबावी एवं रक्षात्मक हमला करते हुए चुनाव पर इनके असर को बेअसर करने में जुटी है। लालू यादव के शासनकाल के ह्यजंगलराजह्न की भी याद दिलाने की कोशिश एनडीए की पार्टियां कर रही है ताकि विपक्ष इन मामलों पर ज्यादा हावी ना हो। भाजपा के प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन का कहना है कि बिहार की जनता लालू राज में जो जंगलराज था, उसे भूली नहीं हैं। विपक्ष चाहे जो भी आरोप लगाए बिहार में आज सुशासन का राज है और जो घटनाएं हुई हैं वह योजनागत अपराध के तहत है, जिस पर सरकार कड़ी करवाई कर रही है।ह्न हॉस्पिटल में जिसकी हत्या हुई, वह खुद हत्या के मामले में जेल में बंद था और फिलहाल पैरोल पर बाहर आया था। शुरूआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस वारदात में विरोधी गैंग शामिल हो सकता है। इसका मतलब कि राज्य में संगठित अपराध फिर सिर उठा रहा है। इसी महीने, 4 जुलाई को बिहार के बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या हुई थी और उसमें भी भाड़े के शूटर्स का इस्तेमाल किया गया था। ऐसी हत्याएं बार-बार हो रही हैं, यह सिलसिला कहीं रुकता नहीं दिख रहा।

पक्ष एवं विपक्ष के राजनीतिक दल एवं नेता चाहे जो बयान दें, लेकिन बिहार में अपराध तो बढ़ ही रहे हैं, आमजनता में भय एवं असुरक्षा व्याप्त है।। हाल ही में राजधानी पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, और गया जैसे प्रमुख शहरों में हुई हत्या और डकैती की घटनाएं न केवल भयावह हैं, बल्कि यह भी दिखाती हैं कि अपराधी अब पुलिस और प्रशासन से नहीं डरते और पुलिस का अपराधियों पर नियंत्रण खत्म होता जा रहा है। सड़क पर चल रहे आम लोगों को दिनदहाड़े गोली मार दी जाती है, व्यापारियों से रंगदारी मांगी जाती है, महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि बिहार भले अपराध में कई दूसरे राज्यों से पीछे दिखता हो, लेकिन सच यही है कि आंकड़े पूरी कहानी नहीं बताते। राज्य में ये अपराध तब हो रहे हैं, जब पूरा फोकस क्राइम कंट्रोल पर है। बिहार में पिछले तीन वर्षों में अपराध दर में निरंतर वृद्धि हुई है। हत्या, बलात्कार, अपहरण, और लूट जैसे संगीन अपराधों में राज्य शीर्ष स्थानों में शामिल हो गया है। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि चुनावी राजनीति में एक बड़ा मुद्दा बनकर उभर रही है। एक समय था जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर उल्लेखनीय सुधार किए थे। लालू-राबड़ी शासन के समय जिसे जंगलराज कहा जाता था, उसके मुकाबले एक उम्मीद जगी थी कि बिहार अब विकास, सुरक्षा और शांति की राह पर है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य में जनता फिर से असुरक्षा, भय और अराजकता के वातावरण में जीने को मजबूर है। इन स्थितियों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब सरकार के पास प्रशासनिक अनुभव है, गठबंधन के रूप में राजनीतिक ताकत है, तो फिर अपराधियों पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? बिहार में कानून एवं व्यवस्था के मुद्दे के साथ हमेशा राजनीति का पहलू जुड़ा रहा है। राज्य के लोगों के जहन में कई बुरी यादें हैं और राजनीतिक बाजीगरी में यह कोशिश होती है कि वे यादें कभी कमजोर न पड़ें। अभी तक इसका फायदा सीएम नीतीश कुमार को मिला है। नीतीश और भाजपा ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हमेशा ह्यजंगलराजह्न के तौर पर पेश किया। लेकिन, अब वही सवाल पलट कर उनकी ओर आ रहे हैं, जो आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चिन्ता एवं चेतावनी का सबब बनना ही चाहिए।

बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण और गठबंधनों की जोड़तोड़ हमेशा से हावी रही है। लेकिन अब जो नया परिदृश्य बन रहा है, उसमें अपराध और अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने के आरोप भी आम हो गए हैं। हाल ही में कई मामलों में नेताओं और जनप्रतिनिधियों के आपराधिक तत्वों से संबंध उजागर हुए हैं। यह स्थिति न केवल लोकतंत्र के लिए खतरा है, बल्कि जनविश्वास की भी अवहेलना है। यदि अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलेगा, तो फिर आम जनता के लिए न्याय और सुरक्षा केवल एक सपना बनकर रह जाएगा। हाल के अपराधों की घटनाओं ने विपक्ष को सरकार की नाकामी उजागर करने का मौका दिया है, जबकि भाजपा और जदयू रक्षात्मक रुख अपना रहे हैं और इन घटनाओं को योजनागत घटनाओं का नाम देकर राजद सरकार के समय की आपराधिक घटनाओं के साथ तुलना कर रहे हैं। मगर सूत्रों की माने तो पार्टी इस बात को लेकर तैयारी जरूर कर रही कि, यदि यह मुद्दा संसद के आगामी सत्र में विपक्ष उठाती है तो उस पर कैसे जवाब देना है? जिस बिहार के पूर्ववर्ती सरकारों के कानून एवं व्यवस्था की खराब स्थिति को मुख्य मुद्दा बनाकर एनडीए सरकार सत्ता में आई थी अब यही मुद्दा विपक्ष के हाथ लग गया है। बिहार की जनता बदलाव चाहती है। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों पर ठोस कदम चाहिए, न कि केवल वादों की झड़ी। विपक्ष इस समय सरकार को घेरने के लिए पूरी तैयारी में है और ह्यबदहाल कानून-व्यवस्थाह्न को मुख्य चुनावी मुद्दा बना रहा है।

आरजेडी-कांग्रेस भाजपा और नीतीश सरकार पर हमला बोल रहे हैं कि जिनके शासन में कभी सुशासन की मिसाल दी जाती थी, अब वही शासन अपराधियों के आगे बेबस नजर आ रहा है। बिहार के लिए यह समय आत्मचिंतन का है। सरकार को चाहिए कि वह पुलिस-प्रशासन को स्वतंत्र रूप से कार्य करने दे, अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करे और राजनीतिक हस्तक्षेप को समाप्त करे। साथ ही न्यायिक प्रक्रिया को तेज किया जाए ताकि अपराधियों को जल्द सजा मिले। बिहार इस समय एक निर्णायक मोड़ पर है। अन्यथा एक ओर पुराना भयावह जंगलराज लौटने की आशंका है, दूसरी ओर एक सक्षम, उत्तरदायी और पारदर्शी प्रशासन की आवश्यकता। यदि वर्तमान सरकार इस संदेश को नहीं समझती, तो आगामी विधानसभा चुनाव बिहार की राजनीति का नया अध्याय लिख सकते हैं, जिसमें सुशासन नहीं, जनाक्रोश निर्णायक भूमिका निभाएगा। जनता के लिए भी यह चुनाव एक अवसर है कि वे विकास, सुरक्षा और पारदर्शिता के आधार पर अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करें, न कि जाति या चहेते दल के नाम पर।

# क्या फिर साथ आएंगे साथ भाजपा और उद्धव ठाकरे? भाजपा में कई गठबंधन के पक्ष में



अशोक भाटिया

महाराष्ट्र में क्या एक बार फिर से सियासत नई करवट लेने वाली है? क्या शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे और भाजपा फिर से साथ आने वाले हैं? यह सब अटकलें इसलिए लगाई जा रही हैं, क्योंकि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के महाराष्ट्र की भाजपा नीत एनडीए सरकार के साथ आने का ऑफर देने के एक दिन बाद गुरुवार को उद्धव ठाकरे की सीएम से मुलाकात हुई है। महाराष्ट्र सीएम और उद्धव ठाकरे के बीच यह मुलाकात लगभग 20 मिनट तक चली। बुधवार को विधान परिषद में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे को महाराष्ट्र सरकार का हिस्सा बनने का ऑफर दिया था।

विधान परिषद में नेता विपक्ष अंबादास दानवे के विदाई समारोह में बोलते हुए फडणवीस ने मजाकिया अंदाज में कहा था कि उद्धव जी, 2029 तक मेरी तो उस तरफ (विपक्ष) आने की संभावना नहीं है, लेकिन अगर आप इधर (सत्ता पक्ष की तरफ) आना चाहें तो रास्ता निकाला जा सकता है। कुछ अलग तरीके से सोचना पड़ेगा। इसके बाद अटकलें लगने लगी थीं कि क्या उद्धव और भाजपा एक बार फिर से साथ आएंगे? हालांकि, पिछले कुछ सालों में शिवसेना (यूबीटी) चीफ ने इन अटकलों को खारिज किया है।

हाल ही में दो दशक बाद मराठी भाषा के मुद्दे पर उद्धव और राज ठाकरे साथ दिखाई दिए थे। हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं हो सका है कि उद्धव ठाकरे और देवेंद्र फडणवीस के बीच 20 मिनट तक चली यह मुलाकात किस मुद्दे पर हुई। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच क्या बात हुई, लेकिन सीएम द्वारा ऑफर दिए जाने के एक दिन बाद हुई इस मुलाकात के बाद तमाम तरह की अटकलें फिर से लगने लगी हैं।दोनों नेताओं के बीच यह मीटिंग विधान परिषद के सभापति राम शिंदे के कार्यालय में हुई और लगभग 20 मिनट तक दोनों बातचीत करते रहे। इस दौरान, उद्धव के साथ उनके बेटे व पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे भी थे। हालांकि, यह साफ नहीं हुआ है कि इस मुलाकात के पीछे क्या वजह थी। लेकिन एक दिन पहले ऑफर मिलना और दूसरे दिन ही बंद कमरे में मीटिंग का दोनों का 20 मिनट तक मिलना और बात करना, काफी कुछ कहता है। दरअसल, सियासी जानकारों का मानना है कि फडणवीस ने उद्धव को यूं ही गठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रित नहीं किया है। उनके इस कदम के पीछे निशाना शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे हैं। वे इसके जरिए न सिर्फ उद्धव को वापस एनडीए का हिस्सा बनाना चाहते हैं, बल्कि शिंदे पर दबाव भी बनाना चाहते हैं। साल 2022 में एकनाथ शिंदे ने शिवसेना को तोड़कर दो भागों में बांट दिया था, जिससे उद्धव को तगड़ा झटका लगा। उद्धव महाविकास अघाड़ी के साथ रहे, जबकि एकनाथ शिंदे कई विधायकों के साथ एनडीए के पाले में आ गए और मुख्यमंत्री बन गए। इसके बाद पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव तक एकनाथ शिंदे और फडणवीस के बीच सबकुछ ठीक था, लेकिन जब चुनाव के बाद भाजपा ने शिंदे की जगह वापस फडणवीस को मुख्यमंत्री बनाने का फैसला किया, तो वहीं से शिंदे के नाराज होने की खबरें सामने आने लगीं। मुख्यमंत्री चुने जाने के समय भी शिंदे मुंबई छोड़कर अपने गांव चले गए, जिससे सवाल उठने लगे कि क्या वे नाराज हैं। हालांकि, काफी कोशिशों के बाद शिंदे महाराष्ट्र की एनडीए सरकार में डिप्टी सीएम बनने पर राजी हुए, जिससे फडणवीस मुख्यमंत्री बन सके।

महाराष्ट्र में एनडीए सरकार को बने हुए अभी ज्यादा समय नहीं हुआ है, लेकिन एकनाथ शिंदे की फडणवीस से नाराजगी की बातें कई बार सामने आ चुकी है। फडणवीस ने फरवरी महीने में शिंदे के कार्यकाल में पारित हुए जालना जिले के खारपुडी के 900 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट की जांच के आदेश दे दिए थे। इतना ही नहीं, जब सरकार बनी थी, तब भी फडणवीस ने एसटी महामंडल के लिए 1310 बसों को कॉन्ट्रैक्ट पर लेने के शिंदे के फैसले को रद्द कर दिया था। वहीं, उन्होंने शिंदे सरकार द्वारा शुरू की गई 'आनंदाच शिधा योजना' की समीक्षा करने के भी आदेश दिए थे। माना जाता है कि इन्हीं वजहों से शिंदे और फडणवीस के बीच तल्खी बढ़ती गई और यह समय-समय पर दिखाई भी देती है। हालांकि, इस पूरे विवाद पर फडणवीस ने कभी खुलकर शिंदे के खिलाफ कुछ नहीं कहा और चुप्पी ही बनाए रखी।

वहीं, दूसरी ओर जब तक उद्धव ठाकरे और भाजपा एक साथ थे, तब तक फडणवीस और ठाकरे के बीच ऐसी बड़ी तल्खी नहीं देखी गई। फडणवीस के पहले कार्यकाल में भाजपा और शिवसेना ने बिना किसी ज्यादा दिक्कत और विवाद के राज्य में पांच साल सरकार चलाई। राजनीतिक जानकारों की मानें तो यही वजह है कि फडणवीस भी चाहते हैं कि उद्धव ठाकरे वापस एनडीए गठबंधन में आ जाएं। यह कदम न सिर्फ राज्य में एनडीए सरकार को मजबूत करेगा, बल्कि उद्धव के साथ बाला साहेब ठाकरे की विरासत भी साथ आएगी। साथ ही, एकनाथ शिंदे पर भी दबाव बन सकेगा और इसी के चलते माना जा रहा है कि उद्धव ठाकरे को फडणवीस ने साथ आने के लिए कहा है। बताया जाता है ठाकरे और फडणवीस के बीच बढ़ती नजदीकियों के बारे में अटकलें तेज हो गई हैं, जिससे महायुति गठबंधन के भीतर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट के लिए संभावित खतरा पैदा हो गया है। दोनों नेताओं के बीच चर्चा कथित तौर पर प्रमुख मुद्दों पर केंद्रित थी, जिनमें विधानसभा में विपक्ष के नेता की नियुक्ति और विवादास्पद त्रिभाषा नीति शामिल थी। बैठक के दौरान उद्धव ठाकरे ने फडणवीस को 'हँ८ रँङ्ग४'ाि ल्ल्रङ्घि क्ेत्रङ्गरी?' नामक पुस्तक भेंट की और सुझाव दिया कि मुख्यमंत्री इसे थ्री लैंग्वेज पॉलिसी की समीक्षा के लिए उनके द्वारा गठित समिति के अध्यक्ष नरेंद्र जाधव को सौंप दें। देवेंद्र फडणवीस ने जवाब में पुस्तक को स्वीकार किया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि विपक्ष के नेता का पद विधानसभा अध्यक्ष के अधिकार क्षेत्र में आता है, जिस पर निर्णय अभी लंबित है।

वैसे फडणवीस इस कदम से महायुति गठबंधन के भीतर, विशेष रूप से शिंदे गुट के साथ दरार और गहरी हो गई है। इसे फडणवीस द्वारा शिंदे के प्रभाव को कमजोर करने की रणनीतिक कोशिश के रूप में भी देखा जा रहा है, खासकर तब जब गठबंधन के भीतर सत्ता-साझेदारी और नीतिगत निर्णयों को लेकर तनाव बढ़ रहा है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी), जो शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचक रही है, अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए इस अवसर का लाभ उठाती दिख रही है। कुछ जानकार लोगों का मानना है कि उद्धव ठाकरे और देवेंद्र फडणवीस के बीच बढ़ती मित्रता महाराष्ट्र की राजनीतिक में संभावित पाला बदल का संकेत देती है, जिससे शिंदे गुट के लिए चिंताएं बढ़ गई हैं। चूंकि महायुति गठबंधन आंतरिक कलह से जूझ रहा है, दोनों नेताओं की यह बैठक भविष्य की राजनीतिक रणनीतियों को प्रभावित कर सकती है। बता दें कि महायुति गठबंधन में भाजपा के साथ एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शामिल है। पूर्व मुख्यमंत्री शिंदे वर्तमान सरकार में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के डिप्टी के रूप में शामिल हैं।

फडणवीस का ये बयान ऐसे वक्त में आया, जब महाराष्ट्र की राजनीति में गठबंधनों और टकरावों का दौर चल रहा है। 2019 के विधानसभा चुनावों के बाद भाजपा और शिवसेना (उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली) के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर मतभेद के कारण गठबंधन टूट गया था, जिसके बाद उद्धव ने महाविकास अघाड़ी (टश्अ) बनाकर सरकार बनाई थी। हालांकि, 2022 में एकनाथ शिंदे के विद्रोह के बाद उद्धव की सरकार गिर गई थी। इसके बाद भाजपा के समर्थन से एकनाथ शिंदे ने सरकार बनाई थी।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उद्धव ठाकरे के बीच बंद कमरे में क्या बातचीत हुई, इस बारे में पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने बैठक के बाद प्रेस को संबोधित करते हुए खुलासा किया। उन्होंने बताया, ह्नआज हमने उन्हें एक संकलन दिया कि पहली कक्षा से तीन-भाषा नीति क्यों नहीं होनी चाहिए, जैसा कि कई पत्रकारों और संपादकों ने लिखा है

महाराष्ट्र के सियासी समीकरण पिछले पांच-छह सालों में पूरी तरह से बदल चुके हैं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महा विकास अघाड़ी को मिली हार के बाद गठबंधन की दरारें साफ दिखाई दे रही हैं। अब शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने कहा है कि भाजपा में कई नेता दोनों पार्टियों के साथ आने के पक्ष में हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस बारे में कोई आधिकारिक बात नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी में भी कई लोगों के ऐसे विचार हो सकते हैं। संजय राउत का यह बयान उद्धव ठाकरे और भाजपा नेता चंद्रकांत पाटिल के बीच एक शादी समारोह में हुई मुलाकात के बाद आया था । इस मीटिंग में चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि ऐसा मिलन उसके लिए ह्नएक स्वर्णिम क्षणह्न होगा। चंद्रकांत पाटिल के बयान का जिक्र करते हुए संजय राउत ने कहा था कि चंद्रकांत पाटिल शुरू से ही शिवसेना-भाजपा गठबंधन के समर्थक रहे हैंह्व पहले गठबंधन में पुरानी पीढ़ी थी, जिसमें चंद्रकांत दादा जैसे नेता शामिल थे। अब भाजपा में कई नए लोग हैं। वे 25 साल के इस गठबंधन का महत्व नहीं समझतेह्व लेकिन चंद्रकांत पाटिल की भावनाएं उस पार्टी के कई लोगों की भावनाओं से मिलती जुलती हैं। क्योंकि हमने उनके (भाजपा ) साथ 25 साल तक अच्छे से काम किया।

संजय राउत ने यह भी कहा कि शिवसेना ने नरेंद्र मोदी के साथ भी अच्छा काम किया है। चंद्रकांत पाटिल को भावनाएं प्रकट करने के लिए धन्यवाद करते हुए संजय राउत ने दावा किया कि एकनाथ शिंदे सेना ज्यादा लंबे समय तक भाजपा के साथ नहीं रहेगी। शिंदे सेना में भी वैसी ही टूट होगी, जैसी शिवसेना में हुई। संजय राउत का यह बयान महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उद्धव ठाकरे के बीच हुई मुलाकात की पृष्ठभूमि में आया है। बेटे आदित्य और अन्य शिवसेना विधायकों के साथ आए उद्धव ठाकरे ने कहा था कि उन्होंने देवेंद्र फडणवीस को सीएम बनने पर बधाई दी थी। बताया जाता है कि महाराष्ट्र में अब नगर निगम का चुनाव होना है। इसमें बीएमसी भी शामिल है। बीएमसी में अविभाजित शिवसेना की तूती बोलती रही हैं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद उद्धव ठाकरे एकनाथ शिंदे की शिवसेना के आगे और अधिक झुकने का जोखिम नहीं उठा सकते।

# संस्कृति,संस्कार की होली जलाती अंग्रेजियत



संजीव ठाकुर

अंग्रेजों के आने के पूर्व भारतीय संस्कृति धार्मिक, आध्यात्मिक, परंपरा वादी, भाग्यवादी रही है। अंग्रेजों के भारत आने के बाद और उनके संपर्क में रहने से भारतीय जीवन का स्वरूप काफी हद तक परिवर्तित एवं बदले हुए स्वरूप में आया था ।धार्मिकता आध्यात्मिकता तथा त्याग व ममता को व्यापक भौतिकवादी दृष्टिकोण से काफी नुकसान पहुंचा है। पश्चात विचारधारा के संपर्क में आने से परंपराओं के प्रति मोह धीरे-धीरे कम होने लगा एवं नई वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाली सोच के कारण भाग्य वाद के प्रति आस्था उत्पन्न होने लगी। इसके अतिरिक्त भारतीय दर्शन के आंतरिक गुणों आदर्श नैतिकता,बुद्धि आदि में भी आमूलचूल परिवर्तन हुए हैं। और इन घटकों पर नवीन शिक्षा पद्धति का व्यापक प्रभाव पड़ा है। अंग्रेज भारत को ऐसा वर्ग विशेष बनाना चाहते थे, जो जन्म और रंग से तो पूर्वी हों, पर अन्य सभी दृष्टिकोण से सब अंग्रेज बने रहें। भारत का उच्च वर्ग या अमीर तबका, राजा, महाराजा,नवाब धीरे-धीरे अंग्रेजी शिक्षा के गुलाम होते चले गए,और पाश्चात्य संस्कृति की ओर झुकते गए। भारतीय संस्कृति को विस्मृत करने में यही उच्च वर्ग या अमीर लोग काफी हद तक जिम्मेदार है। यह लोग अंग्रेजियत की नकल करने लगे,तथा भारतीय समाज धर्म दर्शन में इनकी कोई रूचि अविश्वास नहीं रहने लगा था। और इनकी नकल में इनके मातहत, सिपहसालार भी उसी रंग में डूबने लगे थे। धीरे धीरे पश्चिमी सभ्यता ने भारतीय संस्कृति पर अपना व्यापक प्रभाव डालना शुरू कर दिया था।

पश्चिमी संस्कृति का वृहद अध्ययन करने वाले भारतीय विद्वानों ने पश्चिम की ओर इस अंधे आकर्षण का खुलकर विरोध भी किया था। इन्हीं विद्वानों ने भारतीय जनमानस को अपनी शक्ति और धर्म में विश्वास करने की प्रेरणा देकर उनका मार्गदर्शन किया था। तत्पश्चात भारतीय शोधकताओं ने पश्चिम सभ्यता तथा उसकी शिक्षा का व्यापक परीक्षण शुरू कर दिया था। और इन्हीं शोधकताओं और विद्वानों की अथक मेहनत से प्राचीन परंपराओं में सर्वश्रेष्ठ का चयन कर एवं पाश्चात्य दर्शन की श्रेष्ठ धारणाओं को मिलाकर एक नए दर्शन को समाज के सामने प्रस्तुत किया था। भारतीय विद्वानों, शोधकताओं एवं विचारकों ने प्राचीन भारतीय कुप्रथा जैसे छुआछूत, पर्दा प्रथा,बहु विवाह, बाल विवाह, देवदासी प्रथा एवं महिला शिक्षा, तथा निरक्षरता के विरोध में अभियान चलाकर सामाजिक चेतना का आह्वान किया था। पर पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में आकर भारतीय समाज में नैतिक विचारों में परिवर्तन की शुरूआत हुई। इस परिवर्तन के साथ भारतीय जनमानस के रहन-सहन खानपान, वेशभूषा,विवाह समारोह, आचार विचार, शिष्टाचार तथा व्यवहार में पाश्चात्य शिक्षा की झलक दिखाई देने लगी। जाति प्रथा के कठोर नियम ढीले पड़ने लगे। बाल विवाह प्रथा में बेहद कमी आने लगी। पश्चात दर्शन ने भारतीय संस्कृति में जीवंत एवं चरित्र को एक नया बदलाव दिया था। पाश्चात्य संस्कृति में धीरे-धीरे भारतीय रहन-सहन रीति-रिवाज प्रथाओं को प्रभावित किया। ड्रेसिंग सेंस, खान पान,बोलने चालने तथा अभिवादन के तरीकों में बड़े परिवर्तन हुए। वेस्टर्न पद्धति से संस्कृति शिक्षा विचारधाराओं ने भारत को दुनिया के राष्ट्रीय जीवन के संपर्क में ला खड़ा किया था। देश के अंदर विभिन्न अलग-अलग विचारधाराओं के समूहों को एक सांस्कृतिक समानता के मंच पर लाकर खड़ा किया। और इसी सांस्कृतिक समानता ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एकता और राष्ट्रीयता की नई मिसाल स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए प्रदान की थी। विहंगम दृष्टिकोण से देखा जाए तो पाश्चात्य दर्शन ने भारतीय परंपरा रीति रिवाज में महत्वपूर्ण सुधार लाने की एक नई पहल की थी। प्राचीन परंपराओं के फल स्वरुप भारतीय जनमानस को रीति-रिवाजों एवं पाखंडी पन ने जीवन में जंजीर बनकर जकड़ रखा था। संस्कृति तथा कुप्रथाओं ने स्वतंत्र विचारों को मस्तिष्क में ही कैद कर लिया था ।एवं आमजन का जीना मुश्किल हो गया था। प्रभाव तथा कुरीतियों से सबसे ज्यादा सजा महिलाएं बालिकाएं तथा बच्चों को ही मिल रही थी। पाश्चात्य शिक्षा तथा दर्शन ने शिक्षा धर्म तथा आदर्शों के मूल्यों में सुधार लाने का महत्वपूर्ण कार्य किया था। पाश्चात्य शिक्षा से अंधविश्वास के बदले बुद्धि विवेक और तर्क ने वैज्ञानिक विचारधारा के हिसाब से जीवन यापन करने की पद्धति से अवगत कराया था। पाश्चात्य शिक्षा तथा दर्शन के कारण ही भारत में ईसाई धर्म समाज की स्थापना हो पाई थी। ईसाइयत का भारत में जन्म अंग्रेजों के आने के बाद ही हुआ था। पाश्चात्य सभ्यता एवं शिक्षा से भारतीय महिलाओं पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ा। उनकी शिक्षा-दीक्षा रहन सहन तथा व्यवहार में काफी परिवर्तन आया तथा भारतीय महिलाओं ने खुली हवा में सांस लेने के अवसर भी तलाशना शुरू कर दिया था। और आज भारत में महिलाएं कंधे से कंधा मिलाकर पुरुषों के साथ हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं। भारतीय जनमानस में पाश्चात्य सभ्यता का बहुत ज्यादा प्रभाव पड़ा ।जीवन में विकास भी हुआ, और नागरिकों को नए वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी साक्षात्कार हुआ। पर इसके साथ पाचल सभ्यता ने भारत को बहुत सारी विकृतियां भी प्रदान की है। जैसे स्त्रियों का खुलापन, नशे की खुली लत एवं महिलाओं तथा पुरुषों का वासनायुक्त खुला व्यवहार, अशोभनीय स्तर पर आ गया है। नशे की अधिकता, महिलाओं के खुले व्यवहार को देखकर आने वाली पीढ़ी की नैतिक शिक्षा में बहुत ज्यादा प्रभाव पड़ने वाला है। इसमें भारतीय शिक्षा पद्धति में भारतीय संस्कृति के दर्शन के अध्यापन की भी महती आवश्यकता है।

# मानसून सत्र में विपक्ष गरजने को तैयार पर आप-टीएमसी ने बढ़ाई दरार



-अजय कुमार

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होने वाला है और उससे ठीक पहले कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक की एक महत्वपूर्ण बैठक 19 जुलाई की शाम सात बजे ऑनलाइन होने जा रही है। यह बैठक इसलिए खास है क्योंकि विपक्ष इस बार संसद के भीतर मोदी सरकार को घेरने के लिए पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इस बैठक का आयोजन किया है और इसके लिए कई विपक्षी दलों के बड़े नेताओं को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जोड़ा जा रहा है ताकि संसद में साझा रणनीति बनाई जा सके। इस बैठक में डीएमके, समाजवादी पार्टी, शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट), राजद, झामुमो, आईयूएमएल और वाम दल जैसे गठबंधन के अहम दल तो शामिल हो रहे हैं लेकिन आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस की दूरी ने इस एकता पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने हाल ही में साफ कहा कि अब उनकी पार्टी इंडिया ब्लॉक का हिस्सा नहीं है। उनका कहना है कि यह गठबंधन लोकसभा चुनाव तक ही सीमित था और अब पार्टी संसद के भीतर अपने मुद्दे खुद उठाएगी। दरअसल आप दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यों में कांग्रेस के खिलाफ सीधी लड़ाई लड़ती रही है। लोकसभा चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर खींचतान ने दोनों दलों के बीच अविश्वास बढ़ाया। अब दिल्ली की सियासत में केंद्र सरकार से टकराव और सीबीआई-ईडी जैसी एजेंसियों की कार्रवाई के बीच आप को लगता है कि उसे अपनी स्वतंत्र सियासी पहचान बनाए रखना जरूरी है। यही वजह है कि पार्टी ने इंडिया ब्लॉक से आधिकारिक तौर पर दूरी बना ली है। आप की गैरमौजूदगी विपक्षी खेमे के लिए बड़ा झटका है क्योंकि दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यों में वह मजबूत स्थिति में है और संसद के भीतर उसकी आवाज अक्सर मुखर रही है।

वहीं तृणमूल कांग्रेस ने बैठक में न आने के लिए कोलकाता के 21 जुलाई के वार्षिक जलसे का बहाना दिया है। यह जलसा 1993 में वाम मोर्चा सरकार के वक्त पुलिस फायरिंग में मारे गए टीएमसी कार्यकताओं की याद में होता है। लेकिन अंदरखाने खबर ये भी है कि टीएमसी का असली मकसद पश्चिम बंगाल की राजनीति में अपनी अलग पहचान को बचाए रखना है। ममता बनर्जी अच्छी तरह जानती हैं कि बंगाल में कांग्रेस और वाम दल उनके प्रतिद्वंदी हैं। ऐसे में बार-बार मंच साझा करने से उनके कार्यकताओं में भ्रम पैदा होगा। ममता बनर्जी की राजनीति हमेशा से ये रही है कि वो राष्ट्रीय स्तर पर मोदी सरकार के खिलाफ विपक्षी खेमे के साथ खड़ी दिखें लेकिन बंगाल में अपनी लड़ाई कांग्रेस और लेफ्ट से अलग ही रखें। यही वजह है कि उनकी पार्टी कई बार विपक्षी मंच से दूरी भी बना लेती है। कहा जा रहा है कि अंतिम वक्त पर ममता बनर्जी या उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी डिजिटल बैठक में शामिल हो सकते हैं लेकिन यह अब तक पूरी तरह पक्का नहीं है।

उधर कांग्रेस की पूरी कोशिश है कि विपक्ष के ज्यादातर दल एक सुर में संसद में सरकार को घेरने के लिए तैयार रहें। राहुल गांधी ने खुद कई विपक्षी नेताओं से फोन पर बात की है और केसी वेणुगोपाल ने भी राज्यों के नेताओं को भरोसे में लेने की कोशिश की है ताकि मीटिंग में कोई बड़ा दल न छूटे। पहले यह बैठक दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर होनी थी लेकिन कई नेताओं ने कम समय में दिल्ली आने में असमर्थता जताई तो इसका फॉर्मेट बदलकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर दिया गया। इससे ज्यादा से ज्यादा नेताओं को जोड़ने में आसानी होगी।

शिवसेना-यूबीटी के नेता उद्धव ठाकरे ने भी संकेत दिया है कि अगर जरूरत पड़ी तो वो दिल्ली आ सकते हैं। बताया जा रहा है कि केसी वेणुगोपाल का फोन आया था और उद्धव ठाकरे इसमें पूरी रुचि ले रहे हैं। वहीं समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से ही जुड़ेंगे। राजद के तेजस्वी यादव भी शामिल होंगे और झारखंड से झामुमो के नेता भी बैठक में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करेंगे। आईयूएमएल और वामपंथी दल भी बैठक में मौजूद रहेंगे। मौजूदा सियासी हालात में इंडिया ब्लॉक के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि संसद के भीतर एकजुट रहकर सरकार को कैसे घेरा जाए। राहुल गांधी और कांग्रेस की योजना है कि ऑपरेशन सिंदूर से लेकर बिहार में मतदाता सूची में हेरफेर जैसे मुद्दों को लेकर संसद में सरकार से तीखे सवाल पूछे जाएं। इसके अलावा विपक्षी खेमे को उम्मीद है कि संसद के बाहर भी इन मुद्दों को उठाकर सरकार को घेरा जा सकता है ताकि आम जनता के बीच सरकार की जवाबदेही को लेकर दबाव बढ़ाया जा सके।

हालांकि विपक्षी एकता की सबसे कमजोर कड़ी यही है कि जिन दलों ने गठबंधन बनाया है वो अलग-अलग राज्यों में एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हैं। ममता बनर्जी और अखिलेश यादव जैसे नेता अपने-अपने राज्यों में कांग्रेस को उखाड़ने की कोशिश में लगे रहते हैं लेकिन राष्ट्रीय मंच पर इन्हें कांग्रेस की छतरी तले खड़े रहना पड़ता है। यही मजबूरी विपक्ष की सबसे बड़ी कमजोरी बनकर सामने आती है। आप की गैरमौजूदगी और टीएमसी की झिझक यह दिखा रही है कि इंडिया ब्लॉक की एकजुटता पूरी तरह भरोसेमंद नहीं है। अगर संसद में सरकार ने इन दरारों को और बड़ा कर दिया तो विपक्ष का साझा हमला कमजोर पड़ सकता है। फिर भी कांग्रेस को भरोसा है कि जितनी भी दल शामिल होंगे, वो संसद में एक सुर में सरकार से जवाब मांगेंगे। विपक्ष की पूरी रणनीति यही है कि संसद के भीतर हंगामा कर सरकार को जवाब देने पर मजबूर किया जाए।

बीते लोकसभा चुनाव में इंडिया ब्लॉक ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया था लेकिन उसके बाद हरियाणा जैसे राज्यों में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली हार और कुछ सहयोगी दलों की नाराजगी ने गठबंधन को झटका दिया है। शरद पवार की एनसीपी भी कई बार कांग्रेस की लाइन से अलग खड़ी नजर आई है। ऑपरेशन सिंदूर पर संसद का विशेष सत्र बुलाने की कांग्रेस की मांग का शरद पवार ने विरोध किया था। बाद में भले ही समाजवादी पार्टी और टीएमसी ने विशेष सत्र की मांग वाले पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए लेकिन शरद पवार और आप इससे दूर रहे। इससे भी विपक्ष की साझा रणनीति पर सवाल उठते हैं।

अब सबकी नजरें इस बात पर हैं कि शनिवार की बैठक से क्या संदेश निकलता है और क्या ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी आखिरी वक्त पर शामिल होते हैं या नहीं। अगर टीएमसी भी पूरी तरह से दूरी बना लेती है तो संसद में विपक्ष की एकजुटता का दावा कमजोर हो जाएगा। वहीं बीजेपी इस दरार को भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। फिलहाल कांग्रेस को भरोसा है कि संसद के अंदर राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में विपक्ष एकजुट होकर सरकार को घेरने में कामयाब होगा लेकिन यह कितना कारगर होगा, इसका फैसला संसद के हंगामेदार मानसून सत्र में ही होगा।

## आयुष सिंह क्षत्रिय ने लंदन से हासिल की अंतरराष्ट्रीय डिग्री

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** उत्तर क्षेत्रीय संस्था प्रमुख एवं कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष अरविंद सिंह क्षत्रिय के सुपुत्र आयुष सिंह क्षत्रिय ने शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने लंदन (यू.के.) के मैनचेस्टर स्थित बोस्टन यूनिवर्सिटी से ₹लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट₹ में डिग्री प्राप्त कर नाम रोशन किया है।

यह कॉन्वोकेशन समारोह 17 जुलाई 2025 को आयोजित किया गया, जिसमें आयुष सिंह को अंतरराष्ट्रीय मंच पर सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार में, बल्कि पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। उनकी इस सफलता पर पालघर जिले के कई राजनीतिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उन्हें बधाई दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। आयुष सिंह क्षत्रिय की यह सफलता युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

## टाटा पंच ने महज चार साल में 6 लाख उत्पादन का आंकड़ा पार किया

**मुंबई।** टाटा मोटर्स की कॉम्पैक्ट एसयूवी पंच ने चार साल से भी कम समय में 6 लाख यूनिट्स के उत्पादन का ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लिया है। कंपनी ने आज इस उपलब्धि की घोषणा करते हुए बताया कि इस रिकॉर्ड ने पंच को भारत की सबसे पसंदीदा एसयूवी के रूप में और भी मजबूत स्थान दिलाया है। देशभर के ग्राहकों में इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और महाराष्ट्र अकेले इसके कुल उत्पादन में 12% का योगदान देता है। टाटा पंच को अक्टूबर 2021 में इस सोच के साथ लॉन्च किया गया था कि भारत के हर नागरिक को एसयूवी जैसा अनुभव मिल सके। इसने एक नया वाहन श्रेणी सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी झ की शुरूआत की, और तब से यह पूरे भारत में लाखों ग्राहकों की पहली पसंद बन गई है। बड़े महानगरों से लेकर छोटे कस्बों और गाँवों तक, पंच आज भरोसे, स्टाइल और स्मार्ट पसंद का प्रतीक बन चुकी है, जिसने भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार की तस्वीर बदल दी है। वर्ष 2024 में यह देश की सबसे अधिक बिकने वाली कार बनकर इतिहास रच चुकी है। चाहे शहरी गलियों की बात हो या ग्रामीण रास्तों की, पहली बार कार खरीदने वाले हों, युवा प्रोफेशनल्स हों या बढ़ते परिवार झ पंच सिर्फ एक कार नहीं, बल्कि आज के दौर की एक स्मार्ट और भरोसेमंद साथी बन गई है। पंच और एक आत्मविश्वासी, साहसी भारत की बढ़ती आकांक्षाओं से इसके गहरे जुड़ाव पर बात करते हुए, टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के चीफ कमर्शियल ऑफिसर विवेक श्रीवत्स ने कहा, ह्लपंच नए भारत की उस भावना का प्रतीक है जो आत्मनिर्भर है, बेझिझक है और अपना रास्ता खुद तय करना जानता है। 6 लाख उत?पादन का आंकड़ा पार करना सिर्फ एक निर्माण उपलब्धि नहीं, बल्कि उन 6 लाख से अधिक भारतीयों के भरोसे की पुष्टि है, जिन्होंने पंच को चुना – एक ऐसी कार जो आत्मविश्वास, मौजूदगी और नई शुरूआत का प्रतीक बन चुकी है। सबसे खास बात यह है कि पंच आज पहली बार कार खरीदने वालों की सबसे पसंदीदा कार बन गई है। यह सिर्फ एक वाहन नहीं, बल्कि एक ऐसा ब्रांड है जिसने बदलाव की शुरूआत की – और यह दिखाया कि आज का भारत अपनी पहली कार से क्या उम्मीद करता है। इंडिया की एसयूवी कैम्पेन के जरिए हम इस शानदार सफर का जश्न मना रहे हैं – उन ग्राहकों के साथ मिलकर जिन्होंने इसे संभव बनाया। यह सिर्फ आंकड़ों का उत्सव नहीं है, बल्कि उस गाड़ी को एक सलाम है जिसने एसयूवी जैसा स्टाइल हर किसी के लिए सुलभ बनाया – वो भी गुणवत्ता से कोई समझौता किए बिना।

अक्टूबर 2021 में लॉन्च हुई टाटा पंच ने अपने अनोखे डिजाइन, दमदार परफॉर्मेंस और 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग के साथ कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट की परिभाषा ही बदल दी। इसने सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी जैसी एक नई श्रेणी की शुरूआत की, जिससे देशभर में और ज्यादा लोगों के लिए एसयूवी खरीदना आसान हो गया। 2024 में यह भारत की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बनी – एक ऐसा मुकाम जो इसकी लोकप्रियता को शहरों की भीड़भाड़ भरी सड़कों से लेकर गांवों के कच्चे रास्तों तक साबित करता है। पहली बार कार खरीदने वाले हों, युवा प्रोफेशनल हों या परिवार – पंच ने खुद को हर वर्ग की पसंदीदा कार के रूप में स्थापित किया है, जो उन्हें शुरूआत से ही एक सुरक्षित, सुविधाजनक और स्टाइलिश एसयूवी अनुभव देती है। इस अद्वितीय सफर की उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए, टाटा मोटर्स ने राष्ट्रव्यापी इंडिया की एसयूवी अभियान शुरू किया है। यह अभियान उन लाखों भारतीयों को समर्पित है जिन्होंने पंच को अपनी ज़िंदगी का हिस्सा बनाया है और जिनकी कहानियाँ सशक्तिकरण, आत्मविश्वास और रोजमर्रा के छोटे-बड़े रोमांच से जुड़ी हैं। पंच अब सिर्फ एक कार नहीं रही – यह नए भारत की आकांक्षा और आत्मबल का प्रतीक बन गई है। चाहे सुरक्षा को प्राथमिकता देने वाले परिवार हों, महानगरों के साहसिक राइडर्स हों, टियर 2 और 3 शहरों के युवा हों या पहली बार कार खरीदने वाले लोग – पंच ने सभी के दिल में खास जगह बनाई है। 6 लाख से ज्यादा पंच आज भारत की सड़कों पर दौड़ रही हैं। यह अभियान केवल इस आंकड़े का उत्सव नहीं है, बल्कि उन हजारों अनकही कहानियों का सम्मान भी है जो पंच को यहां तक लेकर आईं – हर कहानी में है गर्व, उद्देश्य और नए अवसरों की झलक। इंडिया की एसयूवी उस देश की भावना को सलाम है, जो पूरे जोश और एकता के साथ आगे बढ़ रहा है।

## CMAI के 81वें नेशनल गारमेंट फेयर से अनुमानित 2500 करोड़ रुपये का व्यापार हुआ

**मुंबई।** क्लोदिंग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडियाद्वारा आयोजित 81वां नेशनल गारमेंट फेयर (एनजीएफ) महिला एवं पुरुष परिधान संस्करण, जो 14 से 16 जुलाई, 2025 तक आयोजित हुआ, एक ऐतिहासिक गारमेंट फेयर साबित हुआ, जिसने उद्योग की अपेक्षाओं से कहीं ज्यादा बेहतर प्रदर्शन किया।

पिछले महीने आयोजित किड्सवियर और हाल ही में संपन्न महिला एवं पुरुष परिधान - दोनों एनजीएफ सेगमेंट को मिलाकर, यह भारत का सबसे बड़ा परिधान व्यापार शो था, जिसने देश भर से मुख्य रूप से खुदरा विक्रेताओं, वितरकों, एजेंटों और थोक विक्रेताओं सहित 50,000 खरीदारों की रिकॉर्ड उपस्थिति के साथ करीब 2500 करोड़ रुपये का अनुमानित कारोबार किया।

गारमेंट फेयर में स्वस्थ ऑर्डर प्लेसमेंट देखा गया, जिसमें कई प्रदर्शकों ने त्योहारी सीजन से पहले भारी ऑर्डर बुकिंग दर्ज किए, जो परिधानों की मजबूत और निरंतर मांग को दशार्ता है। मेले में 800 से अधिक पुरुष और महिला परिधान ब्रांड और 40 से अधिक सहायक एक्सेसरीज लेबल के साथ-साथ दोनों सेगमेंट में 590 किड्सवेयर ब्रांड को प्रदर्शित किए गए।

# इस्कॉन चौपाटी में गोविंदा रेस्टोरेंट का उद्घाटन

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** गोविंदा', जो कि इस्कॉन का विशुद्ध शाकाहारी भोजन अनुभव है, का नया रेस्टोरेंट आज इस्कॉन चौपाटी में महाराष्ट्र के राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन, नॅशनल स्टॉक एक्सचेंज के प्रबंध निदेशक और सीईओ आशीषकुमार चौहान, और इस्कॉन के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में उद्घाटित हुआ। इस अवसर पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस्कॉन की संपूर्ण दृष्टिकोण झ आध्यात्मिक स्वास्थ्य, सात्त्विक भोजन और ग्रामीण सशक्तिकरण के लिए कौशल प्रशिक्षण झ को विस्तार से समझाया गया।

गोविंदा' रेस्टोरेंट, एचएच राधानाथ स्वामी की शिक्षाओं पर आधारित है और इसे गौरांग दास प्रभु के नेतृत्व में शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य है लोगों को सात्त्विक (वैदिक) भोजन का शुद्ध अनुभव प्रदान करना। इस अवसर पर गौरांग दास ने कहा, ह्लयह केवल एक रेस्टोरेंट नहीं है, बल्कि यह करुणा, पवित्रता और संपूर्ण कल्याण की संस्कृति को बढ़ावा देने का एक प्रयास है। यहां परोसा जाने वाला भोजन केवल शरीर का पोषण नहीं करता, बल्कि भगवान को अर्पित प्रसाद होने के कारण आत्मा को भी शुद्ध करता है।ह्व गौरांग दास, जो इस्कॉन जीबीसी और गोवर्धन इकोविलेज के निदेशक हैं, ने गोवर्धन स्कूल ऑफ क्यूलिनरी आर्ट्स की घोषणा की, जो नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन और सिम्बायोसिस स्कूल ऑफ क्यूलिनरी

### गौरांग दास ने जनजातीय युवाओं के लिए कौशल विकास स्कूल पर डाला प्रकाश

आर्ट्स के साथ मिलकर शुरू किया जाएगा। यह स्कूल जनजातीय और वंचित युवाओं को सात्त्विक पाक परंपराओं की शिक्षा और औपचारिक प्रशिक्षण प्रदान करेगा। ध्रुवा करुणाकर शेट्टी, गोविंदा' के सीईओ और श्रीनाथजी क्यूजीन्स प्रा. लि. के निदेशक ने कहा, ह्लदक्षिण मुंबई में गोविंदा' रेस्टोरेंट की शुरूआत करते हुए हम अत्यंत कृतज्ञ हैं। यह पहल एचएच राधानाथ स्वामी के आशीर्वाद और गौरांग प्रभु के मार्गदर्शन से संभव हुई है। इस नए प्रयास के साथ, हम स्वादिष्ट और आत्मा को तृप्त करने वाले भोजन के साथ-साथ युवाओं को हॉस्पिटैलिटी उद्योग में करियर के अवसर देने वाले कौशल कार्यक्रमों को और भी मजबूती से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस्कॉन ने हाल ही में किए गए खाद्य राहत कार्यों पर भी जोर दिया, जिनके माध्यम से वैश्विक स्तर पर 3.8 अरब से अधिक निःशुल्क भोजन वितरित किए गए हैं। हाल ही में हुई जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान, अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से इस्कॉन ने 40 लाख से अधिक लोगों को भोजन उपलब्ध कराया। गोविंदा'२ की शुरूआत इस्कॉन की सात्त्विक जीवनशैली को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करती है, साथ ही आने वाले क्यूलिनरी स्कूल के माध्यम से जनजातीय युवाओं को सशक्त बनाने के उनके मिशन को भी समर्थन देती है, जिसके लिए कॉर्पोरेट क्षेत्र से सहयोग का आमंत्रण दिया गया है।

## राहुल तिवारी ने किया यूपी में नाम रोशन करने वाले अनुराग पांडे का सम्मान

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन द्वारा संचालित पंडित रामअधार तिवारी पॉलिटेक्निक कॉलेज (एनबीए द्वारा मान्यता प्राप्त) महुअरकला, चंदौली के छात्र अनुराग पांडे ने पूरे प्रदेश में तृतीय स्थान प्राप्त कर कॉलेज का नाम रोशन किया । राहुल एजुकेशन के सचिव राहुल लल्लन तिवारी ने अनुराग पांडे को स्मृति चिन्ह तथा 5100 रुपए नगद देकर पुरस्कृत किया।

साथ ही उन्होंने इस कामयाबी के लिए कॉलेज के सभी शिक्षकों, प्रिंसिपल तथा डायरेक्टर को बधाई दी। इस अवसर पर कॉलेज के प्रिंसिपल संजय श्रीवास्तव, प्रबंधक आनंद कुमार तिवारी, प्रदीप तिवारी तथा अवधेश तिवारी उपस्थित रहे।

## उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी चंद्रशेखर जगताप का विदाई समारोह संपन्न

**पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)।** जिला परिषद पालघर के उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी चंद्रशेखर भाऊसाहेब जगताप का विदाई समारोह शुक्रवार 18 जुलाई 2025 जिला परिषद सभागृह में संपन्न हुआ। अब उनकी नियुक्ति जलगांव जिला परिषद में उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (सामान्य प्रशासन विभाग) के पद पर की गई है। उनकी जगह आर.एच. पाटील ने नए उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में पदभार संभाल लिया है।

इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, विभिन्न विभागों के उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद के विभाग प्रमुख, गट विकास अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी व अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम ने चंद्रशेखर जगताप की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए उनके कुशल प्रशासनिक नेतृत्व और सौम्य स्वभाव की सराहना की। उन्होंने उनके साथ बिताए गए कार्यकाल की अनेक यादें साझा कीं।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने भी जगताप के प्रशासन में लिए गए निर्णयों, उनकी दक्षता और सहयोगी स्वभाव की सराहना करते हुए कहा कि पालघर जिले के विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे ने भी उन्हें एक सहकारी, सक्षम और संवेदनशील अधिकारी बताया। गटविकास अधिकारी और ग्रामविकास अधिकारियों की ओर से भी यह उल्लेख किया गया कि जगताप के नेतृत्व में कई योजनाओं की क्रियान्वयन प्रक्रिया में गति आई और सकारात्मक परिणाम सामने आए। अपने विदाई भाषण में चंद्रशेखर जगताप ने पालघर जिले में बिताए अपने कार्यकाल को बेहद खास बताया। उन्होंने भावुक होकर कहा, ह्लपालघर जिले से मेरा एक आत्मीय संबंध बन गया है। यहां जो स्नेह, साथ और अपनापन मिला, वह जीवन भर स्मरणीय रहेगा।ह्व समारोह के अंत में सभी उपस्थितों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और पुष्पगुच्छ व स्मृति-चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उनकी माता, पत्नी और पुत्र भी उपस्थित थे। नये उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी आर.एच. पाटील का भी मंच पर अभिनंदन किया गया और उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम का सूत्र संचालन सतीश साबले द्वारा किया गया।

## जनकल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट व जय दुर्गा मित्र मंडल के संयुक्त तत्वावधान नोटबुक वितरण कार्यक्रम संपन्न

**आचार्य सूरजपाल यादव भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** जनकल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट व जय दुर्गा मित्र मंडल कारीवली के संयुक्त तत्वावधान में जिला परिषद विद्यालय कारिवली गांव में समाजसेवक अंकुश लघु शेट्टी के जन्मदिन के अवसर पर विद्यार्थियों को नोटबुक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।




बतादें कि शिक्षा के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिये जनकल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा विद्यार्थियों को लेखन सामग्री व नोटबुक वितरण जैसा सराहनीय कार्य करते रहते हैं ।

इसी तरह जिला परिषदीय विद्यालय कारीवली में मुख्य अतिथि के रूप में वेंकटेश चिटकेन एवं भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक अशोक रत्नाकर , सरपंच संजय नाइक और ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री मंगेश यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही है ।कार्यक्रम में स्कूल के शिक्षकगण, कारीवली ग्रामपंचायत सदस्य वैभव पाटिल, मुकेश झा , पवन यादव, सुमित पाटिल, गणेश गुप्ता सहित जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट के सदस्य मुकेश चौबे, पी डी यादव, धीरेंद्र पाल, रामनारायण सोनी, सत्यनारायण सरोज, समीर शेख, अजय यादव तथा स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

## स्कूली परीक्षाओं का राज्य-स्तरीय कार्यक्रम तय करने से स्कूलों की स्वायत्तता पर सवाल, सरकारी हस्तक्षेप से बढ़ेंगी समस्याएं

**मुंबई।** राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत महाराष्ट्र सरकार ने स्कूलों में परीक्षाओं का कार्यक्रम राज्य स्तर पर तय करने का फैसला किया है। स्कूली शिक्षा विभाग के नए सरकारी निर्णय के अनुसार, प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) के निदेशकों की सलाह पर यह कार्यक्रम निर्धारित करेंगे।इस फैसले से शिक्षा जगत में नाराजगी फैल गई है। मुंबई कांग्रेस के रोजगार व स्व-रोजगार विभाग के महासचिव और शिक्षाविद् डॉ. सत्तार खान ने कहा कि इससे स्कूलों की परीक्षा आयोजन की स्वायत्तता प्रभावित होगी। पहले स्कूलों को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार परीक्षाएं आयोजित करने की स्वतंत्रता थी, लेकिन अब राज्य सरकार का यह हस्तक्षेप ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों के लिए परेशानी का सबब बन सकता है, क्योंकि यह स्थानीय समस्याओं और भौगोलिक विविधता को नजरअंदाज करता है। खान ने यह भी चेतावनी दी कि ऐसे सरकारी निर्णयों में विसंगतियों की आशंका बनी रहेगी।पिछले शैक्षणिक वर्ष में, एससीईआरटी द्वारा कक्षा 1 से 9 तक के दूसरे सेमेस्टर के कार्यक्रम की घोषणा के बाद कई स्कूलों को अप्रैल के अंत तक खुला रखना पड़ा था। वहीं, प्रसिद्ध हिंदी और मराठी अखबार त्रिलोक विवेचना के युवा संपादक संदीप त्रिलोकीनाथ शुक्ला ने कहा कि कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं का राज्य-स्तरीय एकसमान कार्यक्रम स्वाभाविक है, लेकिन कक्षा 1 से 9 तक की परीक्षाओं को पूरे राज्य में एक ही समय पर आयोजित करना व्यवहारिक नहीं है। उन्होंने बताया कि कई स्कूलों में पहली घटक परीक्षा शुरू हो चुकी है, क्योंकि शैक्षणिक सत्र को एक माह से अधिक समय बीत चुका है। ऐसे में शिक्षा विभाग को यह नया नियम शैक्षणिक सत्र 2026-27 से लागू करना चाहिए, साथ ही शिक्षकों और अभिभावकों को विश्वास में लेना चाहिए। शुक्ला ने यह भी कहा कि स्कूली स्तर की परीक्षाओं में शिक्षा विभाग का हस्तक्षेप उचित नहीं है। उनका मानना है कि राज्य-स्तरीय कार्यक्रम केवल बुनियादी या बोर्ड परीक्षाओं के लिए ही स्वीकार्य है।

## वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** भारत के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री, उत्तर मुंबई सांसद पीयूष गोयल के मार्गदर्शन में कौशल विकास केंद्र ने आज एक विशेष सत्र का आयोजन किया। यह विशेष सत्र कोटक बैंक के सहयोग और वरिष्ठ नागरिकों के लिए मार्गदर्शन व्याख्यान के साथ सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।



जोगेश्वरी से दहिसर तक के वरिष्ठ नागरिक सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक बीएमसी - एनएसडीसी - सीआईआई कौशल विकास केंद्र कांदिवली पूर्व के वरिष्ठ नागरिक शिक्षा और रोजगार के अवसरों के लिए आयोजित एक प्रशिक्षण वर्ग में शामिल हुए।

इस कौशल विकास केंद्र के प्रबंधक दयाल कांगने ने मीडिया से बात करते हुए कहा, ₹यह एक नया तरीका था जिससे वरिष्ठ नागरिकों को सेवानिवृत्ति के बाद फिर से काम के अवसर और रोजगार मिलने की उम्मीद जगी। इसलिए हमने कोटक बैंक के इस सत्र का आयोजन किया। कोटक बैंक के अधिकारियों ने 60 वरिष्ठ नागरिकों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर प्रशिक्षण के पश्चात वरिष्ठ नागरिकों ने अपने पंजीकरण फॉर्म भी भरे हैं। प्रबंधक दयाल कांगने ने आगे यह भी बताया की, ₹शनिवार 19 जुलाई को मेगा जॉब फेयर का आयोजन किया गया है। मेगा जॉब फेयर में 18 से 30 वर्ष की आयु के उम्मीदवारों का चयन होगा।

बैंकिंग, बैक ऑफिस, वर्क फ्रॉम होम, हिताची पेमेंट सर्विस, टेलीकॉम, पिकर पैकर, रिकवरी, कस्टमर सपोर्ट, आईटीआई फिटर जैसे विभिन्न प्लेसमेंट में रुचि रखने वाले उम्मीदवार अपना बायोडाटा, पैन कार्ड, आधार कार्ड, शिक्षा प्रमाण पत्र, दो फोटो आदि साथ लाएँ। इच्छुक उम्मीदवार आवश्यक दस्तावेजों के साथ शनिवार सुबह 10 बजे सीआईआई कौशल विकास केंद्र, आकुरली मार्ग, कांदिवली पूर्व में उपस्थित हों₹ ऐसा भी उन्होंने बताया। इस कौशल विकास केंद्र के माध्यम से चल रही निःशुल्क सेवा के कारण अब तक 15 हजार से अधिक युवक-युवतियों को रोजगार मिल चुका है। आज कार्यक्रम में शामिल हुए वरिष्ठ नागरिकों ने अपनी भावना व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मूल मंत्र हर हाथ के काम पूरा होते हुए हम देख पा रहे हैं।

## बोईसर-वाणगंगा शिवकांवड़ यात्रा 20 जुलाई को होगी रवाना, बाबा के दरबार में गूंजेगा भक्ति रस का संगम

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** सावन मास की पावन बेला में बोईसर एक बार फिर ₹हर हर महादेव₹ के जयघोष से गूंज उठेगा। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के संयुक्त तत्वावधान में इस वर्ष 19वीं बोईसर-वाणगंगा शिवकांवड़ यात्रा का आयोजन रविवार 20 जुलाई 2025 को होने जा रहा है। यह कावड़ यात्रा विहिप प्रखंड प्रमुख सतेंद्र प्रताप सिंह, कोंकण प्रांत गौ रक्षा प्रमुख चंदन सिंह, विहिप जिला अध्यक्ष महावीर जैन के मार्गदर्शन में आयोजित की जायेगी। श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता का प्रतीक यह आयोजन इस बार और भी भव्य रूप में देखने को मिलेगा। यात्रा का शुभारंभ रविवार 20 जुलाई को प्रातः 9 बजे अवधनगर स्थित श्री दुर्गा माता शक्तिपीठ मंदिर से वैदिक मंत्रोच्चार और हवन पूजन के साथ किया जायेगा। कांवड़ यात्री यहां से पदयात्रा करते हुए गुजरात स्थित श्री अमरकंठ महादेव मंदिर, हुमरन संजान आश्रम पहुंचेंगे, जहां भोलेनाथ का जलाभिषेक कर यात्रा सम्पन्न होगी। ज्ञात हो कि इस धार्मिक यात्रा की शुरूआत महा तपस्वी श्री श्री 1008 श्री सरखंडी




जी महाराज के आशीर्वाद से कुछ सौ भक्तों के साथ हुई थी, जो अब हजारों श्रद्धालुओं का महासमूह बन चुकी है। यह यात्रा अब न केवल भक्ति का उत्सव है, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक परंपरा का जीवंत प्रतीक बन चुकी है। कावड़ यात्रा के दौरान पूरे मार्ग पर सेवा केंद्र, भंडारे, स्वागत द्वार, और प्राथमिक उपचार की समुचित व्यवस्था रहेगी। भोजन प्रसाद की जिम्मेदारी अनिल गुप्ता, जितेंद्र यादव, जूठन गुप्ता व रंजित जैन निभाएंगे, जबकि सुरक्षा व्यवस्था में किशन गढ़वी, कुंदन सिंह, राबिन सिंह व राहुल सिंह प्रमुख भूमिका में रहेंगे। यात्रा का समापन एवं जलाभिषेक सोमवार 21 जुलाई को श्री अमरकंठ महादेव मंदिर, हुमरन संजान आश्रम में किया जाएगा। इस पावन अवसर पर विशेष सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी होगा, जिसमें लोकगायक दिनेश्वर कुशवाहा समेत अन्य कलाकार भजन, कीर्तन व नृत्य प्रस्तुतियां देंगे। बाबा का दरबार भक्तिरस में सराबोर हो जाएगा। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से पूर्व-पंजीकरण कराने की अपील की है। केवल पंजीकृत श्रद्धालुओं को ही यात्रा में सम्मिलित होने की अनुमति होगी। अधिक जानकारी व पंजीकरण हेतु गणेश राणा (अध्यक्ष) दूरभाष क्रमांक 87888 63249 रामरंजन सिंह (कोषाध्यक्ष) दूरभाष क्रमांक 98237 36646, अरविंद सिंह दूरभाष क्रमांक 79728 47352, मायाराम गुप्ता दूरभाष क्रमांक 80808 47777, रायसाहब यादव दूरभाष क्रमांक 88069 81099, निमोही यादव दूरभाष क्रमांक 90493 08992 पर संपर्क कर सकते हैं। इस यात्रा में महिला, पुरुष, युवा और बुजुर्ग सभी श्रद्धालु भाग ले सकते हैं। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से यात्रा को अनुशासित, शांतिपूर्ण एवं भक्तिपूर्ण बनाए रखने की अपील की है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com




स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

# मुठभेड़ में 25 हजार का इनामिया अंतर जनपदीय पशु तस्कर गिरफ्तार

## बाएं पैर में लगी गोली, उपचार हेतु भेजा गया अस्पताल

खुटहन,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मरहट नहर पुलिया के बगल बड़नपुर गांव स्थित ईंट भट्ठे के पास गुरुवार की देर रात पुलिस से हुई मुठभेड़ में 25 हजार का इनामिया पशु तस्कर गिरफ्तार कर लिया गया। वह जौनपुर, आजमगढ़ व अंबेडकर नगर जिले के विभिन्न थानों में वांछित चल रहा था। पुलिस द्वारा बचाव हेतु किए गए फायर से तस्कर के दाएं पैर में गोली लग गई। उसे उपचार हेतु सीएससी लाया गया। जहां से बेहतर उपचार हेतु जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया।उसके पास से एक तमंचा,खोखा और कारतूस तथा चोरी की बाइक व सात सौ रुपए बरामद किया गया।

खेतासराय थाना क्षेत्र के रानीपुर गांव निवासी कलीम पुत्र अब्दुल सलाम जौनपुर जिले के अलावा आजमगढ़ और अंबेडकर नगर जिले में पशुक्रूरता, आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न संज्ञेय आपराधिक मामलों में वांछित चल रहा था। तीनों जिलों में उसके खिलाफ कुल 15 मुकदमे दर्ज हैं। जिसकी तलाश कई थानों की पुलिस सरगर्मी से कर रही थी। प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश यादव ने बताया कि गुरुवार की रात सूचना मिली कि कलीम उक्त ईंट भट्ठे के पास बाइक लेकर खड़ा है। वह कोई घटना अंजाम देने के फिराक में है। तत्परता दिखाते हुए प्रभारी निरीक्षक ने पुलिस टीम के साथ खेतासराय मार्ग पर दोनों तरफ से घेराबंदी कर दिया। खुद को पुलिस से घिरता देख कलीम पुलिस को निशाना कर तमंचा से फायर कर दिया। अंधेरा होने की वजह से गोली किसी को नहीं लगी। पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में उसके दाएं पैर में गोली लग गई। घायल अवस्था में उसे गिरफ्तार कर पुलिस अभिरक्षा में उपचार हेतु भेज दिया गया। गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक के अलावा वरिष्ठ उप निरीक्षक तरुन श्रीवास्तव, कांस्टेबल अजय यादव, आकाश निषाद, मान सिंह और राजेश यादव सामिल रहे।

# घर से गायब युवक की शीशम के पेड़ से लटकती मिली लाश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुजानगंज स्थानीय थाना क्षेत्र के मिश्राइन पट्टी में एक युवक की संदिग्ध अवस्था में पेड से लटकती हुई लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। खबर फैलते ही लोगों की भारी भीड इकट्ठा हो गई। प्राप्त जानकारी के

अनुसार माता दयाल गौतम निवासी नारीपुर के पुत्र अर्जुन 18 वर्ष की लाश गुरुवार सुबह मिश्राइन पट्टी गांव के पश्चिम नाले के एक शीशम के पेड़ में लटकती हुई दिखाई दी। इसके बाद ग्रामीणों की सूचना पर थानाध्यक्ष सुजानगंज मय फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर तफ्तीश शुरू कर दिये। परिजनों के अनुसार युवक के शरीर में कई जगह चोट के निशान थे।परसो शाम को पड़ोस में किसी का बर्थडे था। उसी में परिजन गये थे तथा युवक घर पर अकेला था। उसी दौरान किसी के बुलाने पर युवक कहीं चला गया। स्वजनों द्वारा आस-पास खोजने पर भी जब उसका कहीं पता नहीं चला तब युवक के परिजनों ने 16 जुलाई को सुजानगंज थाने में युवक की गुमशुदगी की सूचना दी। युवक 4 बहन तथा 2 भाई था। इस संदर्भ में पूछे जाने पर थानाध्यक्ष यजुवेन्द्र सिंह ने बताया कि युवक की मृत्यु की सूचना हमे प्राप्त हुई जिसके बाद मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है। साथ ही आगे की कार्यवाही के साथ जांच-पड़ताल एवं पूछताछ भी की जा रही है।

# गड्ढे में तब्दील सड़क, बरसात में राहगीरों के लिए बनी मुसीबत

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के पाराकमाल गांव को जोड़ने वाली लोक निर्माण विभाग की सड़क इन दिनों बदहाल स्थिति में है। हल्की बारिश होते ही सड़क पर बने बड़े और गहरे गड्ढों में पानी भर जाता है, जिससे पूरे मार्ग पर जलजमाव हो जाता है। यह स्थिति राहगीरों, स्कूली बच्चों, मरीजों और स्थानीय लोगों के लिए गंभीर मुसीबत का कारण बन गई है।

करीब दो किलोमीटर लम्बे इस मार्ग की हालत बेहद खराब है। वाहन चालकों को जान जोखिम में डालकर आवाजाही करनी पड़ रही है। खासकर स्कूली वाहन, एम्बुलेंस और दुपहिया वाहन चालकों को अत्यधिक कठिनाई होती है। यह सड़क पाराकमाल गांव के साथ-साथ अरंद, डंडसौली, पोरई खुर्द, पोरई कला, जमदहां और आजमगढ़ जनपद के अरनौला व दीदारगंज जैसे गाँवों को जोड़ती है।

गौरतलब है कि यह मार्ग पूर्व विधायक नदीम जावेद के पैतृक गांव पाराकमाल से होकर गुजरता है। बावजूद इसके, आज तक इसकी मरम्मत को लेकर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। शाहगंज विधानसभा क्षेत्र का यह अंतिम गांव विकास की मुख्यधारा से कटता जा रहा है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने कई बार विभागीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से इस समस्या की शिकायत की, लेकिन वर्षों से कोई समाधान नहीं निकला। गांव वालों ने शासन से सड़क की तत्काल मरम्मत कराकर आवागमन को सुगम बनाने की मांग की है। जलनिकासी की उचित व्यवस्था न होने से हर बारिश में सड़क पानी में डूब जाती है, जिससे लोगों की परेशानियां और बढ़ जाती हैं।

**बोले लोगः-**

गांव का मुख्य मार्ग खराब होने के कारण मरीजों को अस्पताल लाना-ले जाना बड़ी चुनौती है। इमरजेंसी स्थिति में समय पर इलाज नहीं मिल पाता, जिससे गंभीर परिणाम हो सकते हैं। **–डॉ.अनवर आलम (चिकित्सक)**

सड़क की खस्ताहाली गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष रूप से चिंता का विषय है। 102 एम्बुलेंस सुविधा मिलने पर भी टूटी सड़क से होकर जाना जोखिम भरा होता है। जच्चा-बच्चा दोनों की जान को खतरा बना रहता है। **–कृपावती**

सावन के पवित्र माह में श्रद्धालु मंदिर जाने के लिए बाधित हो रहे हैं। जगह-जगह पानी भरने से पैदल चलना मुश्किल हो गया है। पूजा-पाठ में बाधा आना दुर्भाग्यपूर्ण है। **–अभयराज राजभर (सामाजिक कार्यकर्ता)**

यह समझना मुश्किल है कि सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क। भारी जलजमाव के कारण स्कूली वाहनों का संचालन खतरे में है। कभी भी कोई गंभीर हादसा हो सकता है। **–अम्मार वहीद, संरक्षक (अस्मा इण्टर कॉलेज)**

सरकार एक ओर सड़कों का जाल बिछाने का दावा करती है, लेकिन यहां की हालत इसके उलट है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों की उदासीनता का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। यह क्षेत्र जनसंख्या की दृष्टि से एक बड़ी ग्रामसभा है, फिर भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है।

**–धर्मेंद्र कुमार, (कार्यकर्ता बसपा)**

इस गंभीर समस्या को लेकर कई बार अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन दिया गया। व्यक्तिगत रूप से भी मिलकर बात रखी गई, लेकिन स्थिति में आज तक कोई सुधार नहीं हुआ है।

**–उमेश कुमार राजभर (सोशल एक्टिविस्ट)**

पाराकमाल गांव एक न्याय पंचायत है, जिसमें आस-पास के पांच गांव सम्मिलित हैं। यहाँ डाकघर भी है, जिससे प्रतिदिन ग्रामीणों की आवाजाही बनी रहती है। यह मार्ग अरनौला और दीदारगंज जैसे गैर जनपदों से भी जुड़ता है। टूटी सड़क और जलजमाव ने इस आवागमन को अत्यंत कष्टप्रद बना दिया है।

**–कमर आलम (अधिवक्ता)**

पाराकमाल मार्ग की स्थिति किसी आपातकालीन समस्या से कम नहीं है। शासन और प्रशासन से अपेक्षा है कि इस पर तुरंत संज्ञान लिया जाए और सड़क की मरम्मत के साथ जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था की जाए, जिससे क्षेत्र के लोग सुरक्षित और सुगम आवागमन कर सकें।

# परिवार रजिस्टर की नकल पर आपत्ति के निवारण हेतु की गई खुली बैठक

मडियाहू,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र के रामनगर नं 2 में परिवार रजिस्टर के नकल पर आपत्ति के निवारण हेतु खुली बैठक का आयोजन किया गया। इस खुली बैठक का आयोजन प्राथमिक विद्यालय रामनगर 2 में ग्राम सचिव फिरोज आलम के नेतृत्व में किया गया। जिसकी अध्यक्षता ग्राम प्रधान जिलेदार सोनकर के देखरेख में किया गया ।जानकारी के अनुसार बैठक का निर्धारित बृहस्पतिवार समय 12:0बजे दोपहर में दिया गया था जिसमें समस्त ग्राम वासियों को सफाई कर्मचारी द्वारा सूचना दी गई थी। सूचना पाकर प्राथमिक विद्यालय पर ग्रामवासीयो का आना चालू हो गया वहीं पर सूचना पर ग्रामीण पर्याप्त संख्या में नहीं आ सके ग्राम सचिव द्वारा जानकारी दी गई थी कि ग्राम सभा में जितने मतदाता हैं उसके संख्या के 1/5 संख्या की उपस्थिति बैठक के लिए आवश्यक है अन्यथा बैठक निरस्त मानी जाएगी समय अनुसार 12:00 बजे से लेकर 1:00 बजे तक ग्राम वासियों का इंतजार किया गया लेकिन पर्याप्त संख्या नहीं होने के कारण बैठक को अग्रिम तिथि के तक स्थगित कर दिया गया जानकारी के अनुसार दूधनाथ पुत्र सोमरु सरोज जिनकी मृत्यु 19 जून 25 को हो गई थी। जिसका मृत्यु प्रमाण पत्र ग्राम प्रधान एवं ग्राम सचिव द्वारा निर्गत कर दिया गया था जानकारी के अनुसार दूधनाथ के पास वारिस के रूप में सिर्फ उनकी इकलौती पुत्री चंदन सरोज थी लेकिन किन्हीं कारण वह अपनी पुत्री से नाराज

रहते थे जिसके कारण वीवस होकर उनकी पुत्री चंदन सरोज ने प्रॉपर्टी को लेकर कोर्ट में मुकदमा दायर किया, उसके बाद अचानक अपने आप को चंदन सरोज की पुत्री बताने वाली रागनी सरोज ने फर्जी तरीके से दूधनाथ सरोज से प्रॉपर्टी वसीयत कर लिया । ग्राम वासियों ने भी यह बताया कि दूधनाथ की इकलौती पुत्री चंदन सरोज हैं यहां तक की फर्जी तरीके से कुटुंब रजिस्टर पर अपना नाम चढ़वाने वाली और अपने आप को चंदन सरोज की पुत्री बताने वाली ने भी यह कबूल किया कि दूधनाथ की इकलौती पुत्री चंदन सरोज ही है।जब मरणोपरांत मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद परिवार रजिस्टर कि नकल हेतु रागिनी सरोज द्वारा प्रार्थना पत्र दिया गया था तब चंदन सरोज पत्नी राम सिंह ग्राम निवासी महमदपुर ने आपत्ति करते हुए बताया कि दूधनाथ की बारी-बारी से पांच शादियां हुई जिससे कोई संतान नहीं थी वहीं पर चंदन सरोज पत्नी राम सिंह द्वारा दावा करते हुए बताया गया कि मैं दूधनाथ की पहली पत्नी की संतान हूं। जिसको लेकर आपत्ति लगाया है वहीं पर रागिनी सरोज नतिनी द्वारा बताया गया ब्लॉक के अधिकारियों द्वारा त्रुटि बस पृष्ठ संख्या 30 और पृष्ठ संख्या 84 पर गलत तरीके से नाम दर्ज हो गया है, जिसको लेकर यह पूरा मामला उत्पन्न हुआ है। वहीं पर चंदन सरोज पहली पत्नी की पुत्री ने दावा किया है कि हम अपने पिता से इस मामले को लेकर कोर्ट में मुकदमा लड़ रही हूं। खास बात यह है कि पहले मुकदमा हुआ बाद में वसीयत जिसमें कहीं ना कहीं षड्यंत्र एवं धोखाधड़ी का मामला दिख रहा है और आज भी यह मामला कोर्ट में बिचाराधीन है इस मौके पर तमाम ग्रामवासी मड़ियाहूं थाने की प्रशासन भी उपस्थित रहे।

# राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन का कार्यकर्ता सम्मेलन शाहगंज में हुआ संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन का कार्यकर्ता सम्मेलन नगर शाहगंज में गोरख

जायसवाल एवं शशांक सेठ के नेतृत्व में संपन्न हुआ कार्यकर्ता सम्मेलन के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश सचिव एवं जिला अध्यक्ष विनय जायसवाल रहे।

प्रदेश सचिव ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी संगठन की ताकत संगठन के पदाधिकारी होते हैं बिना पदाधिकारी के संगठन का विकास संभव नहीं है, संगठन मजबूत है तो बड़े से बड़े कार्य को भी किया जा सकता है। विनय जायसवाल ने साथ में यह भी कहा कि हमारा संगठन एक समूह है जो समाज के लिए लगातार सेवाएं प्रदान करता है। हम न सिर्फ लोगों की मदद करते हैं बल्कि उन्हें उनकी समस्याओं का समाधान भी प्रदान करते हैं। हमारा लक्ष्य समाज मे जागरूकता लाना है और इसलिए हम आपका स्वागत करते हैं। यदि आप हमारे संगठन के साथ जुड़ना चाहते हैं हमारे साथ जुड़ने से आप समाज के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं और उन लोगों को मदद कर सकते हैं जिनको आपकी सहायता की जरूरत है।जिला प्रवक्ता प्रदीप उपाध्याय ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में व्यवसायी वर्ग का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान हैं।

कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष शनि उपाध्याय,जिला संरक्षक राज जायसवाल, जिला प्रवक्ता प्रदीप उपाध्याय, ब्लॉक अध्यक्ष मनीष सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष मोतीलाल सोनी, मीडिया प्रभारी प्रेमलाल लाल शर्मा,संचालन प्रभारी चंद्रेश जायसवाल, शशांक सेठ, गोरख जायसवाल, सुभाष गुप्ता, गौरव सिंह, राजेश यादव, सौरभ कुमार, गंगा प्रसाद बिंद, विष्णु जायसवाल, गणेश चौहान, रुपेश मिश्रा, राहुल गुप्ता, प्रशांत जायसवाल, अर्पित जायसवाल, राज बहादुर यादव, आशीष जायसवाल, राकेश, मुंशी राजा, निखिल सोनी, कामा प्रसाद इत्यादि लोग अत्यधिक संख्या में उपस्थित रहे।

# जौनपुर में आम्रपाली दूबे और अंशुमान सिंह की 'भुतहा बरगद' फिल्म का हुआ भव्य मुहूर्त, शूटिंग हुई शुरू

**डॉ.इम्तियाज अहमद सिद्दीकी**

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तनिष्का जे फिल्म्स और चिन्मयी मोशन पिक्चर के बैनर तले भोजपुरी फिल्म क्वीन आम्रपाली दूबे और सुपर स्टार अंशुमान सिंह अभिनीत फिल्म 'भुतहा बरगद' का भव्य मुहूर्त होने के बाद शूटिंग शुरू कर दी गई है।उत्तर प्रदेश के जिला जौनपुर में भोजपुरी फिल्म 'भुतहा बरगद' की शूटिंग शुरू होने से पहले फिल्म की शुरूआत अपने ईस्ट की भक्ति भाव के साथ भव्य मुहूर्त कर विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ शिवजी की आराधना व रुद्राभिषेक किया गया तथा श्रद्धा भाव से पूजा, अर्चना, आरती की गई। फिल्म के प्रोड्यूसर हरीश तिवारी के हाथों नारियल तोड़कर फिल्म का शुभ मुहूर्त संपन्न किया गया। तदोपरांत फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी गई। गौरतलब है कि फिल्म के शुभ मुहूर्त और शूटिंग के पहले सोशल मीडिया पर बरगद की छाया और स्टार कास्ट के नाम के साथ एक पोस्टर रिवील किया गया है। जिसमें एक स्लोगन लिखा गया है कि 'गलती से भी बरगद के सामने ये मत कहना क्या,बतायेगा आने वाली हॉरर ड्रामा कॉमेडी फिल्म भुतहा बरगद, ये स्लोगन फिल्म के बारे में काफी कुछ सस्पेंस बयां कर रहा है। इस फिल्म में केंद्रीय भूमिका में आम्रपाली दूबे और अंशुमान सिंह राजपूत की केमिस्ट्री काफी रोमांचक और सस्पेंस होने वाली है। इसके अलावा सबसे बड़ी बात इस फिल्म में ये है कि फिल्म की प्रोड्यूसर लेडीज, डायरेक्टर लेडीज और मेन लीड लेडीज ये तीन तिकड़ी भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में फुल धमाल मचाने वाली है। उल्लेखनीय है कि भव्य पैमाने पर बन रही फिल्म भुतहा बरगद के प्रोड्यूसर हेमंत जोशी और चिन्मयी लब्डे हैं। फिल्म का निर्देशन मोस्ट टैलेंटेड डायरेक्टर चेतना पाठक कर रही हैं। सहनिमार्ता हरीश तिवारी हैं। कॉन्सेप्ट और प्रोजेक्ट डिजाईन मनोज ओझा ने किया है। पब्लिसिटी डिजाइन सुमित ओझा ने किया है। संगीतकार विजय उत्पती, गीतकार अखंड प्रताप सिंह हैं। इस फिल्म की मार्केटिंग 'मेक योर फिल्म इंडिया' कर रही है। इस फिल्म के स्टार कास्ट आम्रपाली दूबे, अंशुमान सिंह, विनोद मिश्रा, अनूप अरोरा, निशा तिवारी, सूर्या शर्मा, एजे मिश्रा, रिंकू आयुषी, कविता राज, हिमांशी सिंह, विनीता राय, रूपेश मिश्रा, सचिन श्रीवास्तव आदि हैं।

# राष्ट्रीय अध्यक्ष के आह्वान पर उत्तर प्रदेश के कई जिलों में दिए गए ज्ञापन

## जिला अध्यक्ष पर दर्ज मुकदमे के लिए सीबीसीआईडी जाँच की उठी मांग

## मुख्यमंत्री के नाम जौनपुर जिलाधिकारी को चार सूत्रीय सौपा गया ज्ञापन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के बैनर तले पत्रकारों का प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को जिलाधिकारी से मिला। उन्हें संगठन के जिलाध्यक्ष तामीर हसन शीबू पर दर्ज फर्जी मुकदमे की जाँच के लिए सीबीसीआईडी मांग उठाई। मुख्यमंत्री को संबोधित चार सूत्री ज्ञापन सौंपा। डीएम ने गम्भीरता से लेते हुए न्याय का आश्वशन दिया। मुख्यमंत्री, गृहसचिव, डीजीपी, सीबीसीआईडी को संबोधित ज्ञापन में पत्रकार परिषद ने कहा कि मीडियाकर्मी तामीर हसन शीबू ने अनुचित व्याप्त अनियमित ताओ का समाचार संकलन करने पर प्रभावशाली के इशारे पर उनपर फर्जी मुकदमा लाद दिया गया। पत्रकारों की आवाज को दबाने के लिए यह लोकतंत्र की हत्या है। सीबीसीआईडी से निष्पक्ष जांच कर-के दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। परिषद ने पत्रकार सुरक्षा के लिए स्थायी और प्रभावी नीति बनाने की भी मांग की है। परिषद ने चेताया कि यदि इस प्रकरण पर कार्रवाई नही हुई तो पूरे प्रदेश में आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। जिलाधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि प्रशासन पत्रकारों की सुरक्षा व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए गम्भीर है। हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रदेश संगठन मंत्री सुरेश शर्मा, मंडल अध्यक्ष राजेश कुमार गौतम, मंडल प्रभारी अमन विश्वकर्मा, जिला प्रभारी शशिकान्त मौर्य स्वतंत्र कुमार जिला उपाध्यक्ष डॉ.इम्तियाज सिद्दीकी, संजय सिंह, इजहार हुसैन, जिला महा सचिव, राहुल गुप्ता, अनवर हुसैन, जिला सचिव रवि केसरी, सुजीत वर्मा, मोहम्मद आफताब, मोहम्मद हारून, अमित तिवारी, जितेंद्र बहादुर सिंह, मोहम्मद अल्ताफ, चंदन जायसवाल, विजय उपाध्याय, शैलेंद्र अग्रहरी, शशांक शेखर, मड़ियाहूं तहसील अध्यक्ष रवि सिन्हा, गंगेश निगम कपिल देव सिंह, हिमांशु विश्वकर्मा अभिषेक सिकंदर भारती, शाहगंज तहसील अध्यक्ष प्रतिनिधि चन्दन जायसवाल, शशांक शेखर, विजय उपाध्याय शैलेन्द्र अग्रहरी, बदलापुर तहसील अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह संतोष कुमार, मछली शहर तहसील अध्यक्ष विशाल गौतम, दीप नारायण उपाध्याय, राकेश शर्मा, सेराज अहमद इत्यादि पत्रकार मौजूद रहे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी मोहम्मद अरशद ने दी।

# पीयू परिसर में कड़ी निगरानी में हुई प्रवेश परीक्षाएं

## सुचिता और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई तीनों पाली की परीक्षा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिए प्रथम चरण की प्रवेश परीक्षाएं उमानाथ इंजीनियरिंग संस्थान में सफलतापूर्वक शुक्रवार को सम्पन्न हुईं। परीक्षा तीन पालियों में आयोजित की गई। जिनमें पहली पाली सुबह 9:00 से 11:00 बजे तक डी. फार्मा और बी.कॉम ऑनर्स, दूसरी पाली दोपहर 12:00 से 2:00 बजे तक एलएलबी (पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड) और बी.टेक तथा तीसरी पाली अपराह्न 3:00 से 5:00 बजे तक बीसीए पाठ्यक्रम की परीक्षा कराई गई।

प्रवेश परीक्षा अत्यंत सुचिता, पारदर्शिता और कड़े सुरक्षा प्रबंधों के साथ सम्पन्न कराई गई। परीक्षा केंद्र पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी के साथ-साथ कक्ष निरीक्षक एवं परीक्षा समिति के सदस्य लगातार कमरों का भौतिक निरीक्षण भी कर रहे थे। परीक्षार्थियों की तलाशी के लिए प्रवेश द्वारों पर कड़ी जांच की गई। जिससे अनुचित साधनों के प्रयोग की कोई संभावना न रहे। परीक्षाओं की पारदर्शिता बनाए रखने हेतु विश्वविद्यालय और जिला प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। 18 जुलाई को कुल 1296 विद्यार्थियों ने परीक्षाएं दी।

केंद्राध्यक्ष डॉ. संजीव गंगवार ने बताया कि 19 जुलाई को प्रथम पाली 9:00 बजे से 11:00 बजे बीएससी के सभी प्रोग्राम में, दूसरी पाली 12:00 से 2:00 के एमबीए, एमबीए के फाइनेंस एंड कंट्रोल, एचआरडी, ई-कॉमर्स, बिजनेस इकोनॉमिक्स तथा तीसरी पाली 3:00 से 5:00 के बीच बीबीए, एलएलएम, एमसीए, इंटीग्रेटेड एमसीए, एमएससी के बायोटेक्नोलॉजी, बायो केमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी परीक्षा होगी। परीक्षा संचालन समिति के सदस्य प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. राजकुमार, प्रो रजनीश भास्कर, प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ.रसिकेश, अशोक कुमार यादव, सत्यम उपाध्याय, ? ज्ञानेंद्र पाल, डॉ. सुजीत चौरसिया, रीतेश श्रीवास्तव, संतोष यादव समूचे समय सक्रिय रूप से परीक्षा प्रक्रिया को संचालित करने में लगे रहे।

## 2.5 लाख की सिकड़ी और कनफूल की उचक्का गिरी

**केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)।** केराकत कोतवाली के सरकी चौकी अंतर्गत अकबरपुर ग्राम में अजीबोगरीब मामला प्रकाश में आया है सराफा दुकान का उद्घाटन करने के बाद सर्रफा दुकानदार मकान मालिक का ही 2 सोने का सिकड़ी और कनफुल लेकर फरार होगया ।जानकारी के अनुसार विमला देवी पत्नी स्वर्गीय रामसूरत सिंह की अकबरपुर ग्राम में ही मकान दुकान है जॉकी किराए पर लेने के बहाने से दो आदमी दो दिन पहले आए और किराए पर लिया ।आज शुक्रवार की सुबह आकर दुकान का उद्घाटन किया और कुछ देर बाद विमला देवी से कहा आपना सोने का सिकड़ी दीजिए एक ग्राहक को दिखाना है साथ में बैठी मंझारी देवी पत्नी गोरखनाथ सिंह का भी सिकड़ी और कनफुल माँग लिया । जब विमला और मंझारी देवी दुकान पर अपना समान वापस लेने पहुची तो सराफा दुकानदार नदारद मिला । पीड़िता ने तुरंत 112 पर सूचना दी । उसके बाद सड़की चौकी से संपर्क कर आपबीती बताई ।पुलिस का कहना है कि समान साफाई के नाम पर ठगी हुई है जबकि पीड़िता का रो रोकर बुरा हाल है कुल माल की कीमत 2.5 लाख बताई जा रही है ।

## सुरेन्द्र कुमार प्रजापति बने अधिवक्ताओं जांच कमेटी के अध्यक्ष

**जौनपुर(उत्तरशक्ति)।** दीवानी न्यायालय मे फर्जी अधिवक्ताओ की जाच करने के लिए अनुशासन समिति के सचिव व पूर्व आडिटर सुरेन्द्र कुमार प्रजापति एडवोकेट को जांच कमेटी का अध्यक्ष बनाया है। बार ने सुरेन्द्र कुमार प्रजापति को अपनी जांच टीम बनाने के लिए अधिकृत करते हुए शीध्र ही जांच प्रक्रिया शुरू करने के लिए निर्देशित किया है। संघ द्वारा जांच कमेटी की घोषणा होते ही फर्जी अधिवक्ताओं मे हडकंप मच गया है। नवनियुक्त अध्यक्ष ने कहा है कि जल्द ही टीम का कमेटी गठित कर सभी के सहयोग से जांच प्रक्रिया शुरू की जायेगी। अध्यक्ष ने कहा कि अब फर्जी अधिवक्ता दीवानी परिसर छोड दें अन्यथा जेल जाने के लिए तैयार रहें। उन्होंने न्यायालय परिसर में इधर-उधर घूम रहे आम जनता का शोषण तथा धन उगाही करने वाले फर्जी अधिवक्ताओं को सख्त चेतावनी देते हुए आगाह किया है। अब फर्जी अधिवक्ताओं की किसी भी प्रकार से खैर नहीं है। इसी में उनकी भलाई है कि कार्रवाई से पहले ही वह न्यायालय परिसर से दूर चले जाएं। उन्होंने बार एसोसिएशन के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ अधिवक्ता साथियों के प्रति आभार जताया है। उन्होंने बताया कि जिस उद्देश्य और मंशा से उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह अपने कर्तव्यों का बखूबी निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी अधिवक्ताओं और आम जनता के हितों की रक्षा के लिए वह सदैव तत्पर रहेंगे इसके लिए जो भी आवश्यक कदम उठाना होगा अवश्य उठाएंगे। नई जिम्मेदारी मिलने पर तेजबहादुर सिंह पूर्व अध्यक्ष, ब्रजनाथ पाठक पूर्व अध्यक्ष, राधेश्याम विश्वकर्मा, गौरीशंकर मिश्र पूर्व मंत्री, विकलेश प्रजापति, शेषनाथ सिह, अजीत सिंह, मृदुल यादव, हिमांशु श्रीवास्तव, अवधेश सिंह पूर्व मंत्री, दिनेश कुमार, अजय निषाद, राजबहादुर प्रजापति, अरूण प्रजापति पूर्व उपाध्यक्ष, जितेन्द्र नाथ उपाध्याय पूर्व अध्यक्ष, कमलेश अग्रहरी, ओमप्रकाश पाल पूर्व संयुक्त मंत्री, उष्मान अली संयुक्त मंत्री आदि लोगों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

## 23 तक सक्षमता परीक्षा के प्रवेश पत्र पर साइन जरूरी

**सिवान (उत्तरशक्ति)।** बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में सक्षमता परीक्षा-2025 (तृतीय) के लिए आवेदन करने वाले नियोजित शिक्षकों के प्रवेश पत्र पर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) का हस्ताक्षर अनिवार्य किया गया है। इसके लिए सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक और प्रभारी प्रधानाध्यापक को निर्देश दिया गया है कि वे अपने विद्यालय में पदस्थापित शिक्षकों का सत्यापन करें। यह सुनिश्चित करें कि शिक्षक नियमित रूप से कार्यरत हैं। महाराजगंज प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राजकुमार उपाध्याय ने इसके लिए अपने विभाग में एक कर्मी को अधिकृत किया है। 18 जुलाई से 23 जुलाई 2025 तक (रविवार को छोड़कर) सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। प्रवेश पत्र पर हस्ताक्षर के समय शिक्षकों को कुछ जरूरी दस्तावेजों की स्वअभिप्रमाणित छाया प्रति प्रस्तुत करनी होगी। इनमें आवेदन का प्रिंट आउट, आधार कार्ड, नियोजन इकाई द्वारा निर्गत नियुक्ति पत्र, शैक्षणिक और प्रशैक्षणिक प्रमाण पत्र, हालिया फोटो और प्रवेश पत्र की दो मूल प्रतियां शामिल करेंगे।

## मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर बैठक, घरों में जा मतदाताओं को जागरूक करें बीएलओ

**सिवान (उत्तरशक्ति)।** बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में शुक्रवार को मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर विशेष बैठक प्रखंड विकास पदाधिकारी बिंदु कुमार की अध्यक्षता में बैठक की गई। बैठक में प्रखंड के सभी बूथ लेवल ऑफिसर एवं पर्यवेक्षक मौजूद रहे। प्रखंड विकास पदाधिकारी बिंदु कुमार ने बीएलओ को निर्देश दिया कि वे क्षेत्रों में घर-घर जाकर सत्यापन करें। पात्र नागरिकों का नाम सूची में जोड़ा जाए। मृत और स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाए जाएं। फर्जी नामों को सूची से हटाने पर विशेष जोर दिया गया। बीडीओ ने कहा कि मतदाता सूची में पारदर्शिता और शुद्धता जरूरी है। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बीएलओ और पर्यवेक्षकों को मतदाता जागरुकता अभियान चलाने को कहा गया। आमलोगों को मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया की जानकारी दी जाए। ताकि, ज्यादा से ज्यादा लोग बीएलओ द्वारा : दिए गए फॉर्मेट को भर अविलंब उपबंध करा सके। ताकि, निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए समय तक । कार्य को पूरा किया जा सके। बैठक में प्रखंड क्षेत्र के सभी बीएलओ उपस्थित थे।

## प्रधानमंत्री मोदी 2 अगस्त को आ सकते हैं बनारस

**वाराणसी(उत्तरशक्ति)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दौरा 2 अगस्त को संभावित है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में ऐसे संकेत दिये हैं। उन्होंने कहा कि इसके मद्देनजर अभी से सभास्थल के चयन सहित अन्य तैयारियां शुरू कर दी जाएं। प्रधानमंत्री हर तीन माह पर अपने संसदीय क्षेत्र का दौरा करते हैं। इसके पूर्व 11 अप्रैल को वह 50वें दौरे पर आये थे। तीन माह का अंतराल पूरा होते ही एक बार फिर उनके आगमन की तैयारी शुरू हो गई। एक दिन पहले पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने इस बाबत जनसभास्थल की तलाश शुरू कर दी थी। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक में 2 अगस्त को प्रधानमंत्री के आगामी दौरे के संकेत दिए हैं। अधिकारिक सूत्रों की मानें तो प्रधानमंत्री का दौरान एक दिन का होगा। उनकी सेवापुरी विस क्षेत्र में जनसभा होगी। जहां से अरबों की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास वह करेंगे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान शहर से ग्रामीण इलाकों तक को सजाने और संवारने का कार्य अभी से शुरू कर दें। उन्होंने सफाई के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया है।

# 13 वर्ष पूर्व घर से गायब हुआ युवक साधु बन लौटा,परिजनों ने पहचाना

चन्दवक, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले से एक बेहद भावुक और आश्चर्यजनक मामला सामने आया है। चंदवक थाना क्षेत्र के बलरामपुर गांव से 13 साल पहले रहस्यमय तरीके से लापता हुआ युवक अचानक साधु के वेश में लौट आया। वह जब अपनी ही मां से भिक्षा मांगने पहुंचा, तो मां की ममता जाग उठी और उन्होंने एक ही नजर में अपने बेटे को पहचान लिया। दुर्गा मंदिर के पास मिला साधु,बता दे कि, 17 जुलाई को चंदवक बाजार स्थित दुर्गा मंदिर के पास एक साधु को भिक्षा मांगते हुए देखा गया। स्थानीय लोगों को उसका चेहरा कुछ जाना-पहचाना सा लगा। जब यह बात गांव में फैली, तो बलरामपुर निवासी राकेश की मां और छोटा भाई बृजेश मौके पर पहुंचे। मां ने जैसे ही साधु को देखा, उनकी आंखें भर आईं और उन्होंने उसे तुरंत पहचान लिया। साधु वेश में खड़े युवक ने पहले अपनी मां को पहचानने से इनकार कर दिया और वहां से निकलने की कोशिश की। लेकिन मां की ममता और भाइयों के भावुक प्रयासों ने उसे रोक लिया। मां बेटे से लिपटकर जोर-जोर से रोने लगीं। यह दृश्य देखकर वहां मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। 2012 में अचानक हो गया था लापता राकेश,जो वर्ष 2012 में मात्र 19 वर्ष का था,अचानक घर से लापता हो गया था। उसके पिता मुखई राम का निधन उसी वर्ष जनवरी में हुआ था। इसके बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मां ने तीन बेटो राकेश, बृजेश और मंजेश के सहारे जीवन की गाड़ी खींचनी शुरू की। लेकिन राकेश के गायब हो जाने से घर का माहौल और भी शोकपूर्ण हो गया। वर्षों तक ढूंढता रहा परिवार

परिवार ने राकेश को खोजने के लिए हर संभव प्रयास किए, लेकिन वह कहीं नहीं मिला। छोटे बेटे मंजेश ने रोजगार के लिए पुणे चला गया, जबकि बृजेश गांव में रहकर मां की देखभाल करता रहा। मां ने कभी उम्मीद नहीं छोड़ी और हर रोज भगवान से बेटे की सलामती की प्रार्थना करती रहीं।

**अब भी मौन है राकेश**

13 वर्षों बाद लौटे राकेश ने अभी तक यह नहीं बताया कि वह अचानक कहां चला गया था और इतने वर्षों तक साधु के रूप में कैसे जीवन जीता रहा। वह पूरी तरह मौन है और किसी से कोई बातचीत नहीं कर रहा।

**गांव में चर्चा का विषय बनी घटना**

यह मामला अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। लोग हैरान हैं कि 13 साल तक किसी को उसकी खबर नहीं मिली और अब वह साधु के रूप में लौट आया है। लेकिन वो वापिस अपनी दुनिया में लौट जाएगा।

## मुंबई से फरार शातिर अपराधी को जौनपुर से यूपी एसटीएफ और महाराष्ट्र पुलिस ने किया गिरफ्तार

**-रियाजुल हक**

**जौनपुर(उत्तरशक्ति)।** महाराष्ट्र और यूपी एसटीएफ और स्थानीय कोतवाली पुलिस ने मुंबई से चोरी करके फरार हुए शातिर अपराधी को गिरफ्तार करने का दावा किया है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि मुंबई के थाना पालघर क्षेत्र के नाला सोपारा से चोरी की घटना को अंजाम देकर सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र के मनवल गांव निवासी मोहम्मद वसीम पुत्र इरशाद शाह जो कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला तारापुर तकिया में छुपा हुआ था। मुंबई पुलिस काफी तलाश करने के बाद यूपी एसटीएफ टीम से लखनऊ जाकर मिली। यूपी एसटीएफ निरीक्षक दिलीप तिवारी और उप निरीक्षक दिलीप कुमार गुप्ता व सहयोगी जवानों के साथ खोज में जुड़ गए। दूसरी तरफ उनके साथ रहे थाना पालघर सुभाष कारवुले, हेड कांस्टेबल रमेश भी इसी टीम के साथ लग रहे। टीम को सफलता मिली और वसीम को खोज निकाला गया। दोनों टीमें शुक्रवार सुबह शहर कोतवाल मिथिलेश कुमार मिश्रा से मिले और शातिर अपराधी के बारे में जानकारी दिया। शहर कोतवाल भी तत्परता बरतते हुए सहयोगी चौकी इंचार्ज सराय पोख्ता सुनील कुमार यादव और पुलिस जवानों के साथ तारापुर तकिया में छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ़्तार करने के बाद पुलिस की टीम ने नाला सोपारा से चोरी गया पूरा माल बरामद कर लिया है। पकड़े गए आरोपी के बारे में पुलिस ने बताया कि इसके खिलाफ मुंबई के कई थानों में आधा दर्जन से अधिक बड़े आपराधिक मामले दर्ज हैं जिसमें हत्या ,बलात्कार, चोरी और लूट जैसी घटना शामिल है। मुंबई की एक अदालत ने इस आरोपी को 9 साल की सजा सुनाया था। 9 साल की सजा पाने के बाद जब यह छूटा तब फिर से अपराध करना शुरू कर दिया है। मुंबई पुलिस पकड़े गए आरोपी की यात्रा रिमांड बनाने के लिए अदालत में पेश करेगी और यात्रा रिमांड मिलने के बाद इसे मुंबई की अदालत में पेश करेगी।

## गोमती नदी में मिला युवक का शव, पिता ने दर्ज कराई थी गुमशुदगी

**केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)।** केराकत तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा क्षेत्र के सिहौली गांव निवासी 20 वर्षीय युवक अतुल कुमार पुत्र रामसूरत कुमार का शव शुक्रवार को गोमती नदी के किनारे बरामद हुआ। शव मिलने की सूचना से इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि मृतक अतुल कुमार एक दिन पूर्व से लापता था। उसके पिता रामसूरत कुमार ने केराकत कोतवाली में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर खोजबीन शुरू ही की थी कि इसी बीच ग्रामीणों ने गोमती नदी के किनारे एक शव पड़े होने की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे, जहां शव की पहचान अतुल के रूप में हुई।

## कांवड़ियों को आतंकवादी बताना धार्मिक विद्वेष की साजिश : सीएम योगी

**सुरेश गांधी**

**वाराणसी (उत्तरशक्ति)।** श्रद्धा के पावन माह में कांवड़ियों को लेकर जो भाषा सोशल मीडिया या जमीनी स्तर पर प्रयोग की जा रही है, वह सिर्फ सनातन ही नहीं, भारत की लोकतांत्रिक और सहिष्णु संस्कृति पर भी कुठाराघात है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह दो टूक संदेश कि कांवड़ियों को आतंकवादी कहने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, उस दृढ़ इच्छाशक्ति को दशार्ता है, जो आस्था और राष्ट्र की रक्षा के लिए आवश्यक है। श्रावण मास के पावन अवसर पर कांवड़ यात्रा को लेकर एक बार फिर सांप्रदायिक मानसिकता और धार्मिक असहिष्णुता की दुर्भाग्यपूर्ण झलक सामने आई है। यह बेहद आपत्तिजनक है। यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को वाराणसी में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान कांवड़ यात्रा को लेकर तीव्र शब्दों में प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कांवड़ यात्रा श्रद्धा का पर्व है, भक्ति का प्रतीक है। जो कांवड़ियों को आतंकवादी और उपद्रवी कहता है, वह सनातन संस्कृति और भारत की परंपरा का अपमान करता है।

सीएम योगी ने बिना किसी समुदाय का नाम लिए स्पष्ट कहा कि कुछ लोग अपनी दूषित मानसिकता से कांवड़ियों को अपमानित करते हैं, उन्हें आतंकवादी तक कहने से नहीं चूकते। ये सनातन धर्म और भारतीय विरासत के खिलाफ सीधा हमला है। हम इसे कतई स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि आस्था का अपमान करने वालों को कानून के दायरे में लाया जाएगा। वसंत महिला महाविद्यालय में आयोजित बिरसा मुंडा की विरासत : आदिवासी सशक्तीकरण और राष्ट्रीय आंदोलन के लिए उत्प्रेरक विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन भी सीएम योगी ने किया। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएसएसआर) के सहयोग से आयोजित इस सेमिनार में देशभर से आए 100 से अधिक शोधार्थी आदिवासी विमर्श पर अपने शोधपत्र प्रस्तुत कर रहे हैं। यह संगोष्ठी केवल शैक्षिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की मूल चेतना को पुनः जागृत करने का अवसर बनी। मुख्यमंत्री का स्पष्ट संदेश था कि जो भारत को तोड़ने का प्रयास करेगा, उसे समाज से बाहर कर देना होगा। और जो भारत को जोड़ेगा, उसका स्वागत होगा। सीएम योगी ने बिरसा मुंडा को नमन करते हुए कहा, उनकी विचारधारा आज के भारत को एक भारत श्रेष्ठ भारत की दिशा में मार्गदर्शन देती है। उन्होंने जनजातीय समाज को भारत की सनातन परंपरा का मूल आधार बताया। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का प्रेरणा स्रोत मानते हुए समाज को जातीय विभाजन के खतरे से आगाह किया और कहा कि फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बनाकर समाज में विष घोलने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। काशी विश्वनाथ धाम में बढ़ती कांवड़ यात्रा के मद्देनजर मुख्यमंत्री ने प्रशासन को निर्देश दिया कि मंदिर पहुंचने वाले किसी भी श्रद्धालु को जलाभिषेक या दर्शन में कोई असुविधा न हो. श्रद्धालुओं को लंबी कतारों से बचाने के लिए समुचित प्रबंधन किया जाए. सुरक्षा, सफाई और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए. उन्होंने कहा कि श्रावण में लाखों भक्त काशी पहुंचते हैं, यह न सिर्फ धार्मिक अवसर है बल्कि सांस्कृतिक गौरव का भी प्रतीक है।

## निर्वाचन आयोग की पहल, वोटरों को 15 दिनों में मिलेगा फोटो पहचान पत्र

**सिवान (उत्तरशक्ति)।** बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में अब मतदाताओं को फोटो पहचान पत्र जल्द ही उपलब्ध होगा। अब मतदाता सूची में नाम जोड़ने या विवरण में किसी भी तरह के संशोधन के 15 दिनों के भीतर पहचान पत्र मतदाता को उपलब्ध कराया जाएगा। मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भारत निर्वाचन आयोग ने निर्वाचन फोटो पहचान पत्र की, त्वरित डिलीवरी के लिए एक नई मानक संचालन प्रक्रिया लागू की है। इस नई व्यवस्था से आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में मतदाताओं को खास सुविधा मिलेगी। बता दें कि इस में दो विधानसभा क्षेत्र है। अब कोई भी योग्य व्यक्ति नामांकन या संशोधन के तुरंत बाद पहचान पत्र शीघ्र प्राप्त कर सकेगा।

यह पहल भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाताओं को सुलभ, सुरक्षित और समयबद्ध सेवाएं देने की दिशा में उठाए गए अनेक प्रयासों का हिस्सा है। आयोग का उद्देश्य मतदाताओं को समयबद्ध और भरोसेमंद सेवाएं उपलब्ध कराना है। पिछले चार महीनों में आयोग ने मतदाताओं और अन्य हितधारकों की सुविधा के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की है। नई प्रणाली के तहत डाक विभाग की एपीआई को ईसीआईनेट से जोड़ा गया है, जिससे ईपीआईसी की निर्बाध और सुरक्षित डिलीवरी हो सकेगी। ईपीआईसी वितरण की त्वरित प्रक्रिया उसी दिशा में एक ठोस कदम है। उक्त जानकारी महाराजगंज अनुमंडल के निर्वाचित पदाधिकारी सह एसडीओ अनीता सिंह ने दी।

## डी एम साहब रास्ता बनवा दीजिए हमे स्कूल आने जाने में बहुत कठिनाइयाँ होती है,जनप्रतिनिधि हमारी नहीं सुन रहे है साहब

**फूलपुर, आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)।** विकास खण्ड पवई,विधान सभा फूलपुर क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम फत्तनपुर में आने जाने के लिए खरेवाँ मोड़ से कड़च्छा गांव व बस्ती जाफरपुर में पी डब्लू डी द्वारा बनाये गए मार्ग पर पूरी तरह जल भराव होने जाने के कारण ग्राम वासियो का चलना दुश्वार हो गया है ।सबसे ज्यादा समस्या तब होती है जब दो पहिया वाहन बंद होकर पानी में ही खड़े हो जाते है और स्कूली छात्र छात्राओ को अगर पैदल आना जाना होता है तो उसी गंदे पानी से ही गुजरना पड़ता है ।

जिसके कारण बच्चो के ड्रेस पूरी तरह से गंदे पानी के छींटा पड़ने से खराब हो जाती है । गांव में अगर किसी महिला को प्रसव होता है उन्हें आने जाने में बहुत कठिनाइयाँ होती है जच्चा बच्चा दोनों की जान पर बनी रहती है । कब क्या हो जाए किसी को कुछ पता नहीं, अब सवाल यह उठता है कि ना तो इस पर ध्यान स्थानीय सासद व विधायक का नहीं जा रहा है। इसी बात को लेकर स्थानीय लोगो में काफी क्रोध देखने को मिल रहा है। उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक के संवाददाता को ग्रामीणों ने दूर संचार के माध्यम से यह समस्या बताई है।

## आरआरपी डिफेंस लिमिटेड अपनी समर्पित इकाई विमाननु लिमिटेड के माध्यम से भारत में उन्नत ड्रोन बनाने के लिए सीवाईजीआर के साथ की साझेदारी

नवी मुंबई। एयरोस्पेस और रक्षा प्रौद्योगिकी में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, आरआरपी डिफेंस लिमिटेड (आरआरपी ग्रुप, भारत), अपनी समर्पित इकाई विमाननु लिमिटेड और सीवाईजीआर (फ्रेंको-अमेरिकन) ने मेक इन इंडिया पहल के तहत भारत में एक ड्रोन निर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए एक रणनीतिक सहयोग की घोषणा की है। इस साझेदारी का उद्देश्य, फ्रांसीसी-अमेरिकी तकनीक और भारतीय विनिर्माण क्षमता का लाभ उठाते हुए सामरिक, निगरानी और औद्योगिक उपयोग के लिए डिजाइन किए गए उन्नत ड्रोन सिस्टम प्रदान करना है।

नवी मुंबई में स्थित यह सुविधा अगली पीढ़ी के ड्रोन के उत्पादन में सहयोग करेगी, जिनमें शामिल हैं हैंड-लॉन्च्ड फिक्स्ड विंग ड्रोन-फील्ड परिनियोजन के लिए हल्के और पोर्टेबल। नैनो ड्रोन-नजदीकी और आंतरिक निगरानी के लिए कॉम्पैक्ट प्लेटफॉर्म। आईएसआर ड्रोन -खुफिया, निगरानी और टोही के लिए डिजाइन किए गए।

इस साझेदारी पर टिप्पनी करते हुए, आरआरपी डिफेंस लिमिटेड के अध्यक्ष श्री राजेंद्र चोडनकर ने कहा, यह सहयोग भारत के यूएवी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक निर्णायक क्षण है। अपनी स्थानीय विनिर्माण क्षमता और क्षेत्रीय समझ को सीवाईजीआर की विश्वस्तरीय ड्रोन तकनीकों के साथ जोड़कर, हम ऐसे सिस्टम बना रहे हैं जो भारत की अनूठी परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक गौरवपूर्ण कदम है।

सीवाईजीआर फ्रांस के निदेशक श्री जॉर्ज एल ऐली ने कहा, भारत हमारे लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है और हम अपने अत्याधुनिक यूएवी प्लेटफॉर्म को इस बढ़ते बाजार में लाने के लिए उत्साहित हैं। आरआरपी डिफेंस लिमिटेड के साथ इस सहयोग के माध्यम से, हम न केवल तकनीक का हस्तांतरण कर रहे हैं, बल्कि भविष्य के लिए तैयार समाधानों का सह-विकास भी कर रहे हैं जो भारत के रक्षा और निगरानी परिदृश्य का समर्थन करते हैं।

वैश्विक सलाहकार, डॉ. जैना ने यह भी बताया कि, वे रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया के तहत वैश्विक निर्यात के लिए 20 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य का एक अनुबंध तत्काल समाप्त करेंगे। यह मात्रा हर साल सैकड़ों इकाइयों में होगी। आशय पत्र भी जारी किया जा रहा है।

रक्षा, मातृभूमि सुरक्षा और औद्योगिक ड्रोन समाधानों पर ध्यान केंद्रित फ्रांसीसी यूएवी तकनीक का निर्माण भारत में नवी मुंबई, महाराष्ट्र स्थित सुविधा में किया जाएगा।भारतीय सेनाओं और रणनीतिक क्षेत्रों के लिए बढ़ी हुई क्षमता भारत के उच्च-कौशल रोजगार और एयरोस्पेस निर्यात में योगदान देगा। यह रणनीतिक साझेदारी अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और स्वदेशी क्षमताओं द्वारा समर्थित, एक वैश्विक ड्रोन केंद्र के रूप में भारत के उदय को रेखांकित करती है।

## अष्टविनायक कॉम्प्लेक्स में वरिष्ठ नागरिकों के लिए बैठक की सुविधा उपलब्ध

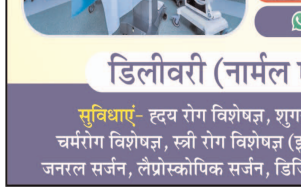

**नालासोपारा।** नालासोपारा (पूर्व) स्थित अष्टविनायक कॉम्प्लेक्स में लंबे समय से वरिष्ठ नागरिकों को बैठने की कोई सुविधा नहीं थी। इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी की वसई-विरार जिल्हा सोशल मीडिया इंचार्ज सौ. कल्पना नागपुरे ने स्थानीय विधायक राजन नाईक से संपर्क किया। सौ. कल्पना नागपुरे ने वसई-विरार जिल्हा सरचिटणीस अभय कक्कड के मार्गदर्शन में सोसायटी की ओर से एक निवेदन पत्र विधायक को सौंपा। इस पर विधायक राजन नाईक ने तत्परता दिखाते हुए संबंधित अधिकारियों से चर्चा की और तुरंत बैठक की व्यवस्था करवाई, जिसे अष्टविनायक कॉम्प्लेक्स में उचित स्थान पर स्थापित किया गया। इस सराहनीय कार्य से सोसायटी के वरिष्ठ नागरिकों में खुशी की लहर दौड़ गई। सभी सीनियर सिटीजन और सोसायटी के रहिवासियों ने विधायक राजन नाईक, सरचिटणीस अभय कक्कड और सौ. कल्पना नागपुरे का दिल से आभार व्यक्त किया। यह पहल समाज में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और उनकी सुविधा हेतु भारतीय जनता पार्टी की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

# बांग्लादेश संकटः एनसीपी रैली में बवाल, गोपालगंज में हिंसा में 14 गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान के गृहनगर गोपालगंज में हुई झड़पों में चार लोगों की मौत के बाद 14 लोगों को हिरासत में लिया गया है। सैन्य टुकड़ियों, अर्धसैनिक बलों और पुलिस ने बृहस्पतिवार को गोपालगंज में 22 घंटे का कर्फ्यू सुनिश्चित करने के लिए गश्त की। अधिकारियों ने बताया कि युद्ध के लिए तैयार सैन्य वर्दी पहने और बख्तरबंद वाहनों में लाल झंडे लहराते हुए सैनिक दक्षिण-पश्चिमी गोपालगंज कस्बे में गश्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बुधवार की हिंसा के बाद निवासियों को घरों के अंदर रहने के लिए मजबूर होना पड़ा, व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे और वाहन सड़कों से नदारद रहे।

उन्होंने बताया कि नेशनल सिटीजन पार्टी की रैली के दौरान हुई झड़पों में चार लोग मारे गए। NCP के नियोजित मार्च से पहले मजीबुर्रहमान की बेटी और अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के सैकड़ों समर्थकों की पुलिस से झड़प के बाद हिंसा हुई थी। ढाका से लगभग 160 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित कस्बे से एक स्थानीय पत्रकार ने फोन पर बताया कि गोपालगंज में स्थिति तनावपूर्ण है। पुलिस ने बताया कि उसने हिंसक झड़पों में कथित संलिप्तता के लिए अब तक 14 लोगों को हिरासत में लिया है, लेकिन इस घटना में अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। स्थानीय मीडिया ने गोपालगंज सदर पुलिस थाने के निरीक्षक (जांच) अब्दुल्ला अल मामून के हवाले से कहा, संयुक्त बलों ने 14 व्यक्तियों को हमें सौंप दिया।" उन्होंने कहा कि मामले दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के कार्यालय ने कहा कि गोपालगंज में बुधवार रात आठ बजे से 22 घंटे का कर्फ्यू लगाने का आदेश दिया गया है। उन्होंने कहा कि एनसीपी पर हमले के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। एनसीपी, स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन' समूह की एक शाखा के रूप में उभरी है, जिसने पिछले साल हिंसक प्रदर्शनों का नेतृत्व किया था और अंततः पांच अगस्त, 2024 को हसीना के 16 साल के अवामी लीग शासन को उखाड़ फेंका था। इस बीच, अंतरिम सरकार ने गोपालगंज हिंसा की जांच के लिए एक समिति गठित कर दी। एनसीपी संयोजक नाहिद इस्लाम ने बृहस्पतिवार को फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, हम गोपालगंज और पूरे बांग्लादेश को आतंकवाद और फासीवाद से मुक्त कराएंगे।" उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एनसीपी की मांग के बावजूद, अवामी लीग और उसकी छात्र शाखा, छात्र लीग' के लोगों की छात्रबड़े पैमाने पर" गिरफ्तारी नहीं की गई और गिरफ्तार किए गए लोगों में से कई को अदालत से जमानत मिल गई या वे पुलिस थानों से फरार हो गए।

## ग्लोबल हेल्दी वर्कप्लेस समिट एंड अवार्ड्स की मेजबानी करेगा गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप

मुंबई। गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप ने भारत और दुनिया की बढ़ती स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का समाधान करने के लिए गोदरेज वन, मुंबई में दो दिवसीय ग्लोबल हेल्दी वर्कप्लेस समिट एंड अवार्ड्स कार्यक्रम की मेजबानी के लिए द ग्लोबल सेंटर फॉर हेल्दी वर्कप्लेसेज और आरोग्य वर्ल्ड के साथ साझेदारी की है। ग्लोबल हेल्दी वर्कप्लेस समिट एंड अवार्ड्स का आयोजन भारत में पहली बार 20-21 नवंबर, 2025 को किया जा रहा है, और यह समिट कर्मचारी स्वास्थ्य और कल्याण (वर्कप्लेस वेलनेस) को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक रणनीतियों का पता लगाने के लिए अंतरराष्ट्रीय दिग्गजों, स्वास्थ्य विशेषज्ञों, उद्योग निकायों, नीति निर्माताओं और संगठनों को एक साथ लाएगा। सम्मेलन को ग्लोबल सेंटर फॉर हेल्दी वर्कप्लेसेज और आरोग्य वर्ल्ड के साथ साझेदारी में क्यूरेट किया जा रहा है, जो भारत में कार्यस्थल स्वास्थ्य के पीछे एक शक्ति के रूप में तेजी से मान्यता प्राप्त एक गैर-लाभकारी संस्था है।

# रुस-चीन के साथ मिलकर क्या भारत बनाएगा त्रिपक्षीय संगठन? अमेरिका अंदर मच सकता है हड़कंप

इंटरनेशनल डेस्क। भारत, चीन और रूस के त्रिपक्षीय संवाद को पुनः सक्रिय करने के प्रयासों के बीच वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य में कई नए ध्रुव बनने की संभावना बढ़ गई है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सबसे पहले इस संगठन को पुनर्जीवित करने की पहल की, जिसे चीन ने भी पूरी सहमति दी है। अब तीनों देशों में भारत की भूमिका पर निगाहें टिकी हैं, क्योंकि चीन और रूस दोनों भारत से इस संगठन को फिर से सक्रिय करने का इंतजार कर रहे हैं। रूस के इस प्रस्ताव को बीजिंग ने खुलकर समर्थन दिया है। चीन ने कहा है कि फ्ळ त्रिपक्षीय सहयोग न केवल तीनों देशों के हितों की रक्षा करता है, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, सुरक्षा और स्थिरता को भी मजबूत करता है। चीन इस संगठन को आगे बढ़ाने के लिए रूस और भारत के साथ संवाद बनाए रखने को तैयार है। हालांकि भारत फिलहाल इस मुद्दे पर जल्दबाजी नहीं कर रहा है। रूस के उप विदेश मंत्री आंद्रेई रूडेंको ने कहा है कि मॉस्को इस मुद्दे पर भारत और चीन के साथ लगातार संवाद कर रहा है और चाहता है कि RIC फॉर्मेट फिर से सक्रिय हो। यह तीनों देश BRICS के संस्थापक सदस्य होने के साथ-साथ महत्वपूर्ण साझेदार भी हैं। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जिआन ने भी कहा कि चीन इस त्रिपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए भारत और रूस के साथ संवाद जारी रखना चाहता है। भारत ने स्पष्ट किया है कि इस संगठन को पुनः सक्रिय करने का निर्णय सभी पक्षों के अनुकूल समय और परिस्थिति पर निर्भर होगा। रूस का मानना है कि RIC Eurasian महाद्वीप में एक समतुल्य सुरक्षा और सहयोगी संरचना बन सकता है, जो पश्चिमी गुटों के दबाव को संतुलित कर सके। तीनों देश अपनी सामरिक ताकत के चलते नाटो जैसे पश्चिमी गठबंधनों के लिए चुनौती बन सकते हैं। ऐसे में नाटो और अमेरिका को इस संगठन की पुनः सक्रियता को लेकर चिंता होना स्वाभाविक है। RIC के पुनः सक्रिय होने से सबसे ज्यादा चिंता अमेरिका को होगी। चीन के साथ उसकी तीव्र प्रतिद्वंद्विता के बीच, अमेरिका भारत को अपने साथ बनाए रखना चाहता है। लेकिन पाकिस्तान के प्रति अमेरिकी झुकाव के कारण भारत अमेरिका से दूरी भी बनाता दिख रहा है। माना जा रहा है कि RIC के पुनः सक्रिय होने के खतरे को देखते हुए ही अमेरिका ने हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के जिम्मेदार टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया है, ताकि भारत अमेरिका के पाले से न हटे। इस त्रिपक्षीय संगठन के पुनः सक्रिय होने से न केवल अमेरिका, बल्कि नाटो और अन्य पश्चिमी देशों में भी वैश्विक शक्ति संतुलन बदलने की चिंता बढ़ सकती है। भारत, रूस और चीन तीनों यूरेशिया के प्रमुख देश हैं। भारत विश्व के विभिन्न महाद्वीपों के बीच संतुलन स्थापित करने में अहम भूमिका निभाता है। यदि भारत इस संगठन को सक्रिय करता है, तो यह विश्व राजनीति और वैश्विक व्यवस्था में बड़ा बदलाव ला सकता है। कई देश विवादों और वैश्विक समाधान के लिए नाटो और अमेरिका के बजाय फ्ळ की ओर रुख कर सकते हैं, जिससे अमेरिका की वैश्विक प्रभुसत्ता को चुनौती मिल सकती है।

# इस्कॉन चौपाटी में गोविंदा रेस्टोरेंट का उद्घाटन

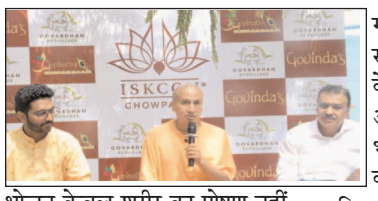



मुंबई। गोविंदा'२, जो कि इस्कॉन का विशुद्ध शाकाहारी भोजन अनुभव है, का नया रेस्टोरेंट आज इस्कॉन चौपाटी में महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल श्री सी. पी. राधाकृष्णन, नॅशनल स्टॉक एक्सचेंज के प्रबंध निदेशक और सीईओ श्री आशीषकुमार चौहान, और इस्कॉन के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में उद्घाटित हुआ। इस अवसर पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस्कॉन की संपूर्ण दृष्टिकोण झ आध्यात्मिक स्वास्थ्य, सात्त्विक भोजन और ग्रामीण सशक्तिकरण के लिए कौशल प्रशिक्षण झ को विस्तार से समझाया गया।

गोविंदा'२ रेस्टोरेंट, एचएच राधानाथ स्वामी की शिक्षाओं पर आधारित है और इसे गौरांग दास प्रभु के नेतृत्व में शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य है लोगों को सात्त्विक (वैदिक) भोजन का शुद्ध अनुभव प्रदान करना। इस अवसर पर गौरांग दास ने कहा, यह केवल एक रेस्टोरेंट नहीं है, बल्कि यह करुणा, पवित्रता और संपूर्ण कल्याण की संस्कृति को बढ़ावा देने का एक प्रयास है। यहां परोसा जाने वाला भोजन केवल शरीर का पोषण नहीं करता, बल्कि भगवान को अर्पित प्रसाद होने के कारण आत्मा को भी शुद्ध करता है। गौरांग दास, जो इस्कॉन जीबीसी और गोवर्धन इकोविलेज के निदेशक हैं, ने गोवर्धन स्कूल ऑफ क्यूलिनरी आर्ट्स की घोषणा की, जो नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन और सिम्बायोसिस स्कूल ऑफ क्यूलिनरी आर्ट्स के साथ मिलकर शुरू किया जाएगा। यह स्कूल जनजातीय और वंचित युवाओं को सात्त्विक पाक परंपराओं की शिक्षा और औपचारिक प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

ध्रुवा करुणाकर शेट्टी, गोविंदा'२ के सीईओ और श्रीनाथजी क्यूजीन्स प्रा. लि. के निदेशक ने कहा, ह्वदक्षिण मुंबई में गोविंदा'२ रेस्टोरेंट की शुरूआत करते हुए हम अत्यंत कृतज्ञ हैं। यह पहल एचएच राधानाथ स्वामी के आशीर्वाद और गौरांग प्रभु के मार्गदर्शन से संभव हुई है। इस नए प्रयास के साथ, हम स्वादिष्ट और आत्मा को तृप्त करने वाले भोजन के साथ-साथ युवाओं को हॉस्पिटैलिटी उद्योग में करियर के अवसर देने वाले कौशल कार्यक्रमों को और भी मजबूती से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस्कॉन ने हाल ही में किए गए खाद्य राहत कार्यों पर भी जोर दिया, जिनके माध्यम से वैश्विक स्तर पर 3.8 अरब से अधिक निःशुल्क भोजन वितरित किए गए हैं। हाल ही में हुई जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान, अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से इस्कॉन ने 40 लाख से अधिक लोगों को भोजन उपलब्ध कराया। गोविंदा'२ की शुरूआत इस्कॉन की सात्त्विक जीवनशैली को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करती है, साथ ही आने वाले क्यूलिनरी स्कूल के माध्यम से जनजातीय युवाओं को सशक्त बनाने के उनके मिशन को भी समर्थन देती है, जिसके लिए कॉर्पोरेट क्षेत्र से सहयोग का आमंत्रण दिया गया है।

# अमन कुमार को बनाया गया महाराजगंज का एसडीपीओ

-वकील प्रसाद,

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत, महाराजगंज में स्थानीय अनुमंडल क्षेत्र के भगवानपुर थाना अंतर्गत मलमलिया में हुए तिहरे हत्या कांड हत्या के बाद क्षेत्र में खलबली मच गई थी। सारण के डीआईजी निलेश कुमार के अलावा छपरा , सीवान,गोपालगंज के एसपी घटना स्थल पर पहुंचे थे . पीड़ित परिवार के लोगों द्वारा महाराजगंज के पुलिस उपाधीक्षक राकेश रंजन और भगवानपुर थाना प्रभारी पर आवेदन देने के बाद कार्रवाई में लापरवाही का आरोप लगाया गया था. घटना स्थल पर जदयू के नेता आनंद मोहन, स्थानीय सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल के अलावे अन्य सरकार के नेता घटना स्थल पर पहुंच कर घटना की निंदा के साथ घटना में शामिल अपराधियों को अभिलंब गिरफ्तारी व लापरवाह पुलिस पर कार्रवाई की मांग रखी थी । सारण के डीआईजी निलेश कुमार ने जनता और प्रतिनिधियों को हर हाल में कार्रवाई में पारदर्शिता लाने का आश्वाशन दिया था। वरीय पुलिस पदाधिकारियों के कार्रवाई संज्ञान में आने पर तत्कालीन एसडीपीओ को महाराजगंज से हटाकर नए सीडीपीओ अमन कुमार को महाराजगंज का एसडीपीओ बनाया गया है। महाराजगंज अनुमंडल में नए पुलिस उपाधीक्षक अमन कुमार को आने की सूचना पर जनता में पुलिस के प्रति नई विश्वास जागी है।

# जौनपुर में चलती बस में उठा धुएं का गुबार, यात्रियों में मची अफरा-तफरी

मुफ्तीगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शुक्रवार शाम मुफ्तीगंज केराकत रोड के मध्य बाजार में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब जौनपुर से केराकत जा रही एक निजी सवारी बस से अचानक घना धुआं उठने लगा। बस में बैठे यात्रियों में दहशत फैल गई और लोग जान बचाने के लिए खिड़कियों और दरवाजों से कूदते नजर आए। अफरा-तफरी में राहगीर और आसपास के दुकानदार भी सुरक्षित स्थान की ओर भागने लगे। गनीमत रही कि कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई और सभी यात्री समय रहते बस से बाहर निकल गए। कुछ देर बाद धुआं शांत हुआ, तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली।

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में चल रही कई पुरानी निजी बसें आए दिन तकनीकी खराबियों का शिकार होती हैं, जिससे यात्रियों की जान जोखिम में पड़ती है। सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर इन बसों को फिटनेस प्रमाण पत्र कौन प्रदान करता है ।ये वाहन किसकी अनुमति से सड़कों पर दौड़ रहे हैं। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही जौनपुर से प्रयागराज मार्ग पर एक चलती बस में आग लग गई थी। लगातार हो रही इस तरह की घटनाओं से यात्री डरे हुए हैं। अब सवाल यह है कि आखिर परिवहन विभाग और जिम्मेदार अधिकारी कब जागेंगे ? यात्रियों की सुरक्षा के लिए कब गंभीर कदम उठाए जाएंगे। या आम आदमी आय दिन अपनी गंतव्य की और जाने से पहले ही कही और चला जाएगा। आखिर कब होगी डग्गामार बसों पर कार्यवाही।

# सड़क हादसे में युवक की मौत,परिजनों का रो रो कर हुआ बुरा हाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र के शाहापुर में गुरुवार की रात वाहन ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने अस्पताल पहुँचाया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। युवक अपने ननिहाल में परिवार समेत रहता था। वह कस्बा खेतासराय से घर लौट रहा था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बताते है कि 36 वर्षीय अनिल यादव मूलरूप से आजमगढ़ जिले के पवई थाना क्षेत्र के अवराडार का निवासी है। वह अपने ननिहाल जमदहा (दुलीपुर) में परिवार के साथ रहता है। रात में शाहापुर भट्टा के समीप बाजार से लौट समय दीदारगंज मार्ग की तरफ तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने नगर के एक निजी अस्पताल पहुँचाया। अनिल की मौत से अस्पताल से लेकर घर तक परिजनों के करुण क्रंदन से गांव में मातम का माहौल है। अचानक सड़क हादसे में युवक की मौत से हर कोई स्तब्ध दिखा। पुलिस मामले की तफ्तीश कर रही है। पुलिस ने बताया कि अज्ञात वाहन से हुई हादसे में युवक के शव को पीएम के लिए भेजा गया है। सीसी टीवी फुटेज के माध्यम से आरोपी वाहन चालक की छानबीन की जा रही है।

# एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी में वाधवानी इग्नाइट बूटकैम्प का एशियाई रिकॉर्ड

मुंबई। उच्च शिक्षा में छात्रों को उद्यमिता से जोड़ने के इरादे से वाधवानी फाउंडेशन ने डॉ. विश्वनाथ कराड एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी (MIT-WPU) के साथ साझेदारी की है। इसके तहत विश्वविद्यालय के सभी पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के लिए ह्यवाधवानी इग्नाइट बूटकैम्पः राइड 2025 नामक एक क्रेडिटेड कोर्स शुरू किया गया है। इस पहल में MIT-WPU के 12 स्कूलों के 30 विभागों से सेकंड ईयर के 7,500 से अधिक छात्रों को प्रशिक्षण दिया गया, जिनका लक्ष्य 24 घंटे के भीतर 1,500 से ज्यादा स्टार्टअप शुरू कर एशिया में एक नया रिकॉर्ड कायम करना है। MIT-WPU के प्रमुख आयोजन RIDE 2025 (रिसर्च, इनोवेशन, डिजाइन एवं एंटरप्रेन्योरशिप) के अंतर्गत शुरू किए गए इस कोर्स का उद्देश्य छात्रों को एक सुव्यवस्थित लर्निंग प्रोसेस के जरिए वास्तविक दुनिया में काम आने वाले व्यवसायों को शुरू करने के लिए प्रेरित करना है। यह बूटकैम्प वाधवानी फाउंडेशन के इग्नाइट प्रोग्राम से संचालित हो रहा है, जिसने अब तक दुनियाभर के 1,000 से अधिक संस्थानों में 1.5 लाख से ज्यादा छात्रों को लाभ पहुंचाया है। यह पूरी पहल विश्वविद्यालय के लिए पूरी तरह निःशुल्क है और इसमें छात्रों को अनुभवी मेंटर्स, वेंचर मूल्यांकन और प्रमाणन जैसी सुविधाएं भी दी जा रही हैं।

वाधवानी फाउंडेशन में एंटरप्रेन्योरशिप के ईवीपी राजीव वारियर ने कहा, वाधवानी फाउंडेशन में हम मानते हैं कि हर व्यक्ति को अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने और उद्यमिता को एक विकल्प के रूप में अपनाने का अवसर मिलना चाहिए। यह केवल स्टार्टअप शुरू करने तक सीमित नहीं है, बल्कि छात्रों के भीतर एंटरप्रेन्योर की भावना जगाने, उन्हें जरूरत के समय मार्गदर्शन देने और उनके तेजी से विकास की राह तैयार करने का प्रयास है। MIT-WPU के साथ यह साझेदारी इस दिशा में एक ठोस कदम है, जिससे हम युवाओं को असली उद्यम अनुभव देने के लिए मंच, संसाधन और मेंटरशिप उपलब्ध करा रहे हैं -ताकि वे जॉब सीकर नहीं, जॉब क्रिएटर बन सकें और भारत के आर्थिक भविष्य को नई दिशा दे सकें।

वाधवानी फाउंडेशन के रीजनल मैनेजर धनुष होसपेटे ने कहा, हमें गर्व है कि हम एशिया के सबसे बड़े स्टूडेंट एंटरप्रेन्योरशिप मूवमेंट्स में से एक को आगे बढ़ा रहे हैं। यह पहल युवाओं को न सिर्फ वेंचर शुरू करने का वास्तविक अनुभव देती है, बल्कि उनमें यह आत्मविश्वास भी पैदा करती है कि वे भारत की अगली स्टार्टअप क्रांति का नेतृत्व कर सकते हैं।

MIT-WPU की नवाचार और उद्यमिता पर केंद्रित सोच के तहत, विश्वविद्यालय इस पहल का नेतृत्व कर रहा है। चयनित स्टार्टअप्स में से शीर्ष 10 विचारों को प्रोटोटाइप डेवलपमेंट के लिए 1 लाख रुपये का सीड फंड दिया जाएगा। इसके साथ ही इन विचारों को आगे बढ़ाने के लिए इन्क्यूबेशन और एक्सीलेरेशन सपोर्ट भी प्रदान किया जाएगा।

# आशा के साथ इलाज के लिए ले जा रहे लोग हुए सड़क दुर्घटना के शिकार, आशा की मौत युवक गंभीर



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना के मझगवां गांव निवासी मोहम्मद असलम अपनी पत्नी रूबीना बेगम को इलाज के लिए मोपेड से आशा कार्यकर्ता आशा मौर्य (उम्र लगभग 45 वर्ष), पत्नी जयप्रकाश मौर्य के साथ लेकर पहले रेहटी ब्लॉक स्थित एक चिकित्सक के पास गए थे। डॉक्टर द्वारा अल्ट्रासाउंड लिखे जाने पर वे जलालपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहाँ जांच कराकर तीनों वापस घर लौट रहे थे। जैसे ही वे जलालपुर बाजार के समीप पहुंचे, तभी सामने से तेज रफ्तार में आ रहे एक ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में आशा कार्यकर्ता आशा मौर्य की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मोपेड चालक मोहम्मद असलम गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहाँ उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही जलालपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस दुखद घटना से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से दुर्घटनास्थल पर ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने और तेज रफ्तार वाहनों पर अंकुश लगाने की मांग की है।

# काशी-रामनगरी समेत यूपी के कई स्टेशनों से गुजरेंगी अमृत भारत ट्रेनें,पीएम मोदी आज करेंगे शुभारंभ




वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज 18 जुलाई को तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का वर्चुअली उद्घाटन करेंगे,यह ट्रेनें आध्यात्मिक नगरी काशी-रामनगरी अयोध्या,गोरखपुर समेत यूपी के कई स्टेशनों से गुजरेंगी।इन ट्रेनों में केवल स्लीपर और जनरल कोच होंगे। मालदा टाउन (प. बंगाल) से गोमती नगर (लखनऊ) जाने वाली इस ट्रेन का लाभ यहां के लोगों को मिलेगा। इसके अलावा एक ट्रेन पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन और एक अन्य गोरखपुर से होकर जाएगी।सेमी हाईस्पीड ट्रेन वंदेभारत एक्सप्रेस के बाद रेलवे इन तीन अमृत भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस की सौगात यूपी के लोगों को देने जा रहा है।गैर वातानुकूलित (नॉन एसी) इन ट्रेनों में स्लीपर और जनरल कोच होंगे। यह ट्रेन मध्यम और कम आय वर्गों के लोगों को सुविधायुक्त और आरामदायक सफर कराने को ध्यान में रखकर चलाई जा रही है।सामान्य ट्रेनों के मुकाबले इसकी सीटें ज्यादा आरामदायक और आकर्षक हैं।मेट्रो की तरह यात्री एक डिब्बे से दूसरे डिब्बे में जा सकते हैं।दिव्यांगों की सुविधाओं का खास ख्याल रखा गया है। लगेज रैक या रैक पर भी कुशन लगाए गए। ट्रेन के दोनों तरफ इंजन लगने (पुश-पुल टेक्नोलॉजी) से अधिकतम गति मिलेगी।बिहार के मोतिहारी में कल 18 जुलाई को आयोजित जनसभा में दोपहर 12 बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इन ट्रेनों को रवाना करेंगे।कैंट स्टेशन पर भी ट्रेन के स्वागत की तैयारी शुरू हो गई है।यहां प्लेटफार्म नम्बर 6-7 से स्थानीय जनप्रतिनिधि हरी झंडी दिखाकर उसे आगे रवाना करेंगे। रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग ने मंच आदि बनाने के लिए नाप की। हालांकि अभी ट्रेन का टाइम टेबल जारी नहीं हुआ है।यह पुश-पुल तकनीक से चलने वाली पहली ट्रेन होगी,इसके दोनों ओर इंजन लगे होंगे। ट्रेनों का विवरण 1- मालदा टाउन-गोमतीनगर अमृत भारत मालदा टाउन से न्यू फरक्का, बरहरवा, साहिबगंज, कहलगांव, भागलपुर, सुल्तानगंज, जमालपुर, अभयपुर, किउल,शेखपुरा, नवादा, तिलिया, गया, डेहरी आनसोन, सासाराम, भभुआ, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, वाराणसी जंक्शन (कैंट), जौनपुर जंक्शन, गोमती नगर जाएगी। 2- राजेन्द्र नगर-नई दिल्ली अमृत भारत

राजेन्द्र से रवाना होकर पटना,दानापुर,आरा,बक्सर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, सूबेदारगंज, गोविंदपुरी, गाजियाबाद होकर नई दिल्ली पहुंचेगी। 3- दरभंगा-गोमतीनगर अमृत भारत

दरभंगा से प्रस्थान कर कमतौल, जनकपुर रोड, सीतामढ़ी, बैरागनिया, घोरासाहन, रक्सौल, सिकटा, नरकटियागंज, हरिनगर, बगहा, कप्तानगंज, गोरखपुर, बस्ती, मनकापुर, अयोध्या धाम, अयोध्या कैंट होकर गोमती नगर पहुंचेगी।

# गौ माता की हत्या करने वालों के हाथ काट देने चाहिए : संजय उपाध्याय

मुंबई। छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शों और विचारों पर काम करने वाली महायुति सरकार को गौ माता के हत्यारे के हाथ काट देने चाहिए। मेरे पास अवैध रूप से संचालित कत्लखानों की सूची है, क्या सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी? बोरीवली विधानसभा के भाजपा विधायक संजय उपाध्याय ने महाराष्ट्र विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान गौ तस्करों पर तीखा हमला बोलते हुए उपरोक्त बातें कही। गौ तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए वे बेहद आक्रामक दिखाई दिए। 9 जून, 2025 को बदलापुर पुलिस थाने की सीमा में हुए अपराध की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए संजय उपाध्याय ने कहा कि महाराष्ट्र में हमने गाय को राज्यमाता का दर्जा दिया है। इसके बावजूद, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य में गौ तस्करी की घटनाएँ लगातार हो रही हैं। उन्होंने कहा कि बदलापुर में हुए मामले में आरोपी कैफ मंसूर शेख के खिलाफ एक-दो नहीं, बल्कि 12 मामले दर्ज किए गए हैं। लेकिन उसके खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? गौ तस्करी का मुद्दा उठाते हुए विधायक संजय उपाध्याय ने मुख्यमंत्री की घोषणा का हवाला देते हुए याद दिलाया कि 2025 के बजट सत्र में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा था कि गो-हत्या और गो-तस्करी के संबंध में अपराधियों पर मकोका के तहत कार्रवाई की जाएगी। फिर इस आरोपी पर मकोका क्यों नहीं लगाया गया? उन्होंने पूछा कि कितने दिनों में मकोका लगाया जाएगा?

विधायक संजय उपाध्याय द्वारा पूछे गए इस प्रश्न के संबंध में, मंत्री योगेश रामदास कदम ने गौ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग को स्वीकार करते हुए कहा कि कि 1,724 टन गोमांस जब्त किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि 2022 से 2025 के बीच 2,800 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं और 4,600 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। कुल मिलाकर मंत्री महोदय ने राज्य में हो रही गो तस्करी और गोहत्या की पुष्टि की गौ सुरक्षा के मुद्दे पर बेहद संवेदनशील विधायक संजय उपाध्याय ने सवालों की बौछार जारी रखी। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि इतनी बड़ी संख्या में अपराध तब हो रहे हैं, जब महाराष्ट्र राज्य ने गाय को राज्यमाता का दर्जा दिया है। क्या इसका मतलब यह है कि गोहत्या और गोतस्करी में शामिल अपराधियों को कानून, सरकार और प्रशासन का डर नही लगता? श्री उपाध्याय ने गोहत्या और गोतस्करी में शामिल अपराधियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई की माँग की। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पास ऐसे अपराधियों की सूची है, जो बार-बार ऐसे अपराध करते हैं।

# योगी सरकार ने 22 पीसीएस अधिकारियों का आईएएस में किया प्रमोशन

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने 22 पीसीएस अधिकारियों को आईएएस में पदोन्नति दे दी है। इनमें वर्ष 2008 व 2010 बैच के पीसीएस अधिकारी हैं। केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की अधिसूचना के क्रम में प्रदेश के नियुक्ति विभाग ने भी पदोन्नति आदेश जारी कर दिया। इन अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ वेतनमान प्रदान कर दिया गया है। जिसमें दिव्यांगजन सशक्तीकरण निदेशालय के संयुक्त निदेशक जय नाथ यादव भी शामिल है। इनके साथ अन्य 21 अधिकारी गण की सूची में नाम है।

# टाटा पंच ने महज चार साल में 6 लाख उत्पादन का आंकड़ा पार किया

मुंबई। टाटा मोटर्स की कॉम्पैक्ट एसयूवी पंच ने चार साल से भी कम समय में 6 लाख यूनिट्स के उत्पादन का ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लिया है। कंपनी ने आज इस उपलब्धि की घोषणा करते हुए बताया कि इस रिकॉर्ड ने पंच को भारत की सबसे पसंदीदा एसयूवी के रूप में और भी मजबूत स्थान दिलाया है। देशभर के ग्राहकों में इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और महाराष्ट्र अकेले इसके कुल उत्पादन में 12% का योगदान देता है। टाटा पंच को अक्टूबर 2021 में इस सोच के साथ लॉन्च किया गया था कि भारत के हर नागरिक को एसयूवी जैसा अनुभव मिल सके। इसने एक नया वाहन श्रेणी झ सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी - की शुरूआत की, और तब से यह पूरे भारत में लाखों ग्राहकों की पहली पसंद बन गई है। बड़े महानगरों से लेकर छोटे कस्बों और गाँवों तक, पंच आज भरोसे, स्टाइल और स्मार्ट पसंद का प्रतीक बन चुकी है, जिसने भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार की तस्वीर बदल दी है। वर्ष 2024 में यह देश की सबसे अधिक बिकने वाली कार बनकर इतिहास रच चुकी है। चाहे शहरी गलियों की बात हो या ग्रामीण रास्तों की, पहली बार कार खरीदने वाले हों, युवा प्रोफेशनल्स हों या बढ़ते परिवार - पंच सिर्फ एक कार नहीं, बल्कि आज के दौर की एक स्मार्ट और भरोसेमंद साथी बन गई है। पंच और एक आत्मविश्वासी, साहसी भारत की बढ़ती आकांक्षाओं से इसके गहरे जुड़ाव पर बात करते हुए, टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के चीफ कमर्शियल ऑफिसर विवेक श्रीवत्स ने कहा, पंच नए भारत की उस भावना का प्रतीक है जो आत्मनिर्भर है, बेझिझक है और अपना रास्ता खुद तय करना जानता है। 6 लाख उत?पादन का आंकड़ा पार करना सिर्फ एक निर्माण उपलब्धि नहीं, बल्कि उन 6 लाख से अधिक भारतीयों के भरोसे की पुष्टि है, जिन्होंने पंच को चुना – एक ऐसी कार जो आत्मविश्वास, मौजूदगी और नई शुरूआत का प्रतीक बन चुकी है। सबसे खास बात यह है कि पंच आज पहली बार कार खरीदने वालों की सबसे पसंदीदा कार बन गई है। यह सिर्फ एक वाहन नहीं, बल्कि एक ऐसा ब्रांड है जिसने बदलाव की शुरूआत की– और यह दिखाया कि आज का भारत अपनी पहली कार से क्या उम्मीद करता है।